■ ज्येष्ठ कृष्णा - 1 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 284 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 13-05-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 आमजन से अधिक से अधिक संवाद लोकतंत्र की सफलता का मूल मंत्र : योगी

6 पराक्रम के विजयोत्सव क्षण को झूठे नैरेटिव में न गंवाएं

7 शासन में निरंतरता का अद्वितीय प्रमाण है ब्रह्मोस : जयराम रमेश

फर्स्ट टेक

आईपीएल 17 मई से फिर शुरू होगा, तीन जून को होगा फाइनल : बीसीसीआई

नयी दिल्ली, 12 मई (भाषा) भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मौजूदा सत्र 17 मई से छह स्थानों पर फिर से शुरू करने का फैसला किया जिसमें संशोधित कार्यक्रम के अनुसार फाइनल तीन जून को होगा। बोर्ड ने एक बयान में कहा, ''बीसीसीआई को टाटा आईपीएल 2025 फिर से शुरू करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों और सभी प्रमुख हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद बोर्ड ने बचे सत्र के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया है। '' लीग के फिर से शुरू होने पर पहला मैच 17 मई को बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच होगा।

फोनपे की प्रणाली में तकनीकी गड़बड़ी से लेनदेन पर पड़ा असर

नयी दिल्ली, 12 मई (भाषा) देश की सबसे बड़ी वित्तीय-प्रौद्योगिकी कंपनी फोनपे की प्रणाली में तकनीकी गड़बड़ी आने की वजह से इसके भुगतान मंच पर लेनदेन सोमवार को कुछ देर बाधित रहा। फोनपे के सह-संस्थापक राहुल चारी ने कहा कि कंपनी ने अपने नेटवर्क फायरवॉल पर साइबर सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के साथ आपदा बहाली (डीआर) का सक्रिय अभ्यास शुरू किया है। चारी ने कहा, ''सोमवार शाम को हमारी सभी सेवाओं में 100 प्रतिशत लेनदेनन एक नए डेटा सेंटर के जरिये हो रहा था। दुर्भाग्य से, सोमवार शाम के व्यस्त लेनदेन ने नेटवर्क क्षमता की कमी को उजागर किया, जिसके कारण लेनदेन नाकाम होने लगे।'' उन्होंने इस पर खेद जताते हुए कहा, ''हमने अब अपनी अन्य साइट पर अपनी लेनदेन सेवाओं को फिर से संतुलित कर लिया है और सुधार देख रहे हैं।''

चीन, तुर्की की वस्तुओं का बहिष्कार करें व्यापारिक संगठन : सीटीआई

नयी दिल्ली, 12 मई (भाषा) चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में 700 से अधिक व्यापारिक संगठनों से चीन और तुर्की के साथ सभी प्रकार के व्यापार को रोकने की अपील की। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा, ''चीन और तुर्की ने भारत-पाक संघर्ष में प्रतिद्वंद्वी का समर्थन किया है।''उन्होंने कहा, ''चीन को भारतीय बाजारों से काफी लाभ होता है, क्योंकि देश भर में इसके उत्पादों का व्यापक रूप से व्यवसायों में उपयोग किया जाता है।

बुद्ध जयंती के दिन मोदी की खरी-खरी

ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ नई नीति, परमाणु ब्लैकमेल से नहीं डरेंगे : प्रधानमंत्री मोदी

■ भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ अपना अभियान स्थगित किया है तथा इस अभियान का भविष्य पड़ोसी देश के बर्ताव पर निर्भर करेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारत का मत एकदम स्पष्ट है- टैरर और टॉक (आतंकवाद एवं बातचीत), एक साथ नहीं हो सकते, टैरर और ट्रेड (आतंकवाद एवं व्यापार), एक साथ नहीं चल सकते। और पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकता।

नयी दिल्ली, 12 मई (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को पड़ोसी देश पाकिस्तान को कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि भारत 'परमाणु ब्लैकमेल' को बर्दाश्त नहीं करेगा और साथ ही उन्होंने विश्व को यह स्पष्ट संदेश भी दिया कि 'आतंकवाद एवं व्यापार' तथा 'आतंकवाद एवं बातचीत' साथ-साथ नहीं चल सकते।

'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होने के बाद पहली बार राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की आतंकवाद के खिलाफ नयी नीति है। उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ अपना अभियान स्थगित किया है तथा इस अभियान का भविष्य पड़ोसी देश के बर्ताव पर निर्भर करेगा।

उन्होंने कहा,''भारत पर आतंकी हमला हुआ तो मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। हम अपने तरीके से, अपनी शर्तों पर जवाब देकर रहेंगे। हर उस जगह जाकर कठोर कार्रवाई करेंगे, जहां से आतंक की जड़ें निकलती हैं।''

प्रधानमंत्री मोदी ने साथ ही कहा कि भारत कोई भी परमाणु ब्लैकमेल बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा, ''परमाणु ब्लैकमेल की आड़ में पनप रहे आतंकी ठिकानों पर भारत सटीक और निर्णायक प्रहार करेगा।''

मोदी ने पूरी दृढ़ता और चेतावनी भरे शब्दों में कहा, ''भारत किसी 'परमाणु ब्लैकमेल' को सहन नहीं करेगा। हमने पाकिस्तान के खिलाफ अभियान को केवल स्थगित किया है तथा भविष्य उनके व्यवहार पर निर्भर करेगा। 'ऑपरेशन सिंदूर' आतंकवाद के खिलाफ भारत की नयी नीति है तथा अब एक नयी रेखा खींच दी गयी है।''

उन्होंने पाकिस्तान को एक नेक सलाह देते हुए कहा, ''पाकिस्तानी फौज, पाकिस्तान की सरकार, जिस तरह आतंकवाद को खाद-पानी दे रहे है, वो आतंकवाद एक दिन पाकिस्तान को ही खा जाएगा। पाकिस्तान को अगर बचना है तो उसे अपने आतंकवादी ढांचे का सफाया करना ही होगा। इसके अलावा शांति का कोई रास्ता नहीं है।'' उन्होंने आतंकवाद के प्रति देश के रुख को दोहराते हुए कहा, '' भारत का मत एकदम स्पष्ट है- टैरर और टॉक (आतंकवाद एवं बातचीत), एक साथ नहीं हो सकते, टैरर और ट्रेड (आतंकवाद एवं व्यापार), एक साथ नहीं चल सकते। और पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकता।''

मोदी ने कहा, ''मैं आज विश्व समुदाय को भी कहूंगा, हमारी घोषित नीति रही है। अगर पाकिस्तान से बात होगी, तो आतंकवाद पर ही होगी, अगर पाकिस्तान से बात होगी, तो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर ही होगी।''

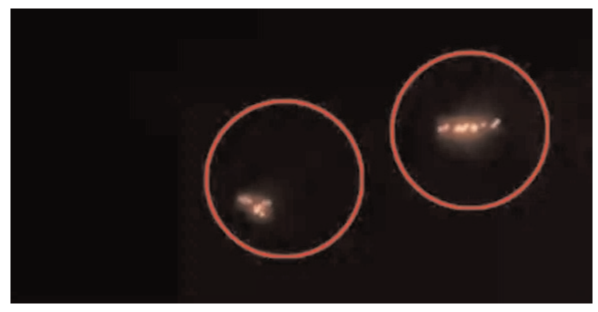

जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर देखे गए संदिग्ध ड्रोन, सेना ने की कार्रवाई

जम्मू, 12 मई (भाषा) जम्मू क्षेत्र के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सोमवार को देखे गए संदिग्ध ड्रोन से सुरक्षा बल निपट रहे हैं। सेना ने यह जानकारी दी।

सीमा रेखा पर ड्रोन गतिविधि की यह ताजा घटना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद राष्ट्र के नाम पहले संबोधन और भारत व पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) की बैठक के कुछ ही घंटों बाद हुई है। सेना का हालांकि कहना है कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। सेना ने कहा, जम्मू-कश्मीर के सांबा के पास कुछ संदिग्ध ड्रोन देखे गए हैं। उनसे निपटा जा रहा है।

अमृतसर जा रहा इंडिगो का विमान दिल्ली लौटा

नयी दिल्ली, 12 मई (भाषा) अमृतसर जा रहा इंडिगो का एक विमान एहतियात के तौर पर 'ब्लैकआउट' उपायों के लागू होने के बाद सोमवार शाम राष्ट्रीय राजधानी लौट आया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उड़ान ट्रैकिंग वेबसाइट 'फ्लाइटराडार24.कॉम' पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, दिल्ली से अमृतसर जा रहा विमान 6ई2045 कुछ देर उड़ान भरने के बाद राष्ट्रीय राजधानी लौट आया। सूत्रों ने बताया कि एहतियातन 'ब्लैकआउट' के कारण अमृतसर हवाई अड्डा बंद होने के चलते विमान को वापस लौटना पड़ा। इस संबंध में इंडिगो की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई है।

भारत, पाकिस्तान डीजीएमओ के बीच हुई अहम वार्ता

आक्रामक और शत्रुतापूर्ण कार्रवाई से बचने पर केंद्रित रही

■ ''शत्रुतापूर्ण'' सैन्य कार्रवाइयों से बचने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया और सीमा व अग्रिम क्षेत्रों से अपने-अपने सैनिकों की संख्या में कमी लाने के लिए तत्काल कदम उठाने पर सहमति जाहिर की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली, 12 मई (भाषा) भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) ने सोमवार को ''शत्रुतापूर्ण'' सैन्य कार्रवाइयों से बचने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया और सीमा व अग्रिम क्षेत्रों से अपने-अपने सैनिकों की संख्या में कमी लाने के लिए तत्काल कदम उठाने पर सहमति जाहिर की।

इस संबंध में एक बयान में कहा गया कि दोनों अधिकारियों ने 'हॉटलाइन' पर हुई बातचीत में दोनों पक्षों की ओर से गोलीबारी नहीं करने या एक-दूसरे के खिलाफ कोई ''आक्रामक और शत्रुतापूर्ण'' कार्रवाई से बचने की प्रतिबद्धता को कायम रखने पर ध्यान केंद्रित किया।

दोनों देशों के डीजीएमओ द्वारा सभी सैन्य कार्रवाइयों को रोकने पर सहमति जाहिर करने के दो दिन बाद हुई यह बातचीत लगभग 45 मिनट तक चली।

चार दिन तक चले सैन्य संघर्ष के बाद 10 मई को यह सहमति हुई थी।

सैन्य संघर्ष में दोनों पक्षों ने ड्रोन, मिसाइलों और लंबी दूरी के हथियारों से एक-दूसरे के सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया, जिससे व्यापक सैन्य संघर्ष की आशंका बढ़ गई।

भारतीय सेना ने कहा, शाम पांच बजे डीजीएमओ के बीच बातचीत हुई। दोनों पक्षों द्वारा एक भी गोली नहीं चलाने या एक-दूसरे के खिलाफ किसी भी प्रकार के आक्रामक और शत्रुतापूर्ण कार्रवाई शुरू नहीं करने की प्रतिबद्धता को जारी रखने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई।

बयान के मुताबिक, इस बात पर भी सहमति हुई कि दोनों पक्ष सीमा और अग्रिम क्षेत्रों से सैनिकों की संख्या में कमी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल उपायों पर विचार करें।

हॉटलाइन पर यह बातचीत पहले दोपहर 12 बजे होनी थी। हालांकि यह बातचीत शाम करीब पांच बजे शुरू हुई।

'हमारा निशाना आतंकवादी थे, पाकिस्तानी सेना ने इसे अपनी लड़ाई बनाया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ तुर्की के ड्रोन हों या कहीं की भी कोई अन्य शस्त्र तकनीक हो.. हमारी स्वदेशी रक्षा प्रणाली, प्रशिक्षित योद्धा उससे मुकाबले के लिए तैयार हैं।

नयी दिल्ली 12 मई (वार्ता) भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने आज कहा कि उनकी लड़ाई आतंकवाद और आतंकवादियों से थी और पाकिस्तानी सेना के आतंकवादियों के पक्ष में लड़ाई में उतरने के कारण भारत को उसके सैनिक ठिकानों को निशाना बनाना पड़ा जिसके लिए पाकिस्तानी सेना खुद जिम्मेदार है।

भारतीय वायुसेना, नौसेना एवं थल सेना के सैन्य अभियान महानिदेशकों ने यहां एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, तुर्की के ड्रोन हों या कहीं की भी कोई अन्य शस्त्र तकनीक हो.. हमारी स्वदेशी रक्षा प्रणाली, प्रशिक्षित योद्धा उससे मुकाबले के लिए तैयार हैं। ऑपरेशन सिन्दूर में हमारा नुकसान बेहद मामूली रहा है। हमारे सभी सैन्य प्रतिष्ठान, उपकरण, शस्त्र प्रणालियां पूरी तरह से कार्यशील हैं, जरूरत पड़ने पर हम अगले मिशन के लिए तैयार हैं।

वायुसैनिक अभियान महानिदेशक एयर मार्शल ए के भारती ने कहा कि पाकिस्तान की सेनाओं ने विमानों, मिसाइलों, ड्रोन एवं यूएवी से भारत पर भीषण हमला करने की कोशिश की लेकिन हमारी परत दर परत मजबूत एवं आधुनिक स्वदेशी रक्षा प्रणाली उसके सामने अभेद्य दीवार साबित हुई।

एयर मार्शल भारती ने दोहराया, हमारी लड़ाई आतंकवादियों एवं आतंकवाद से थी, पाकिस्तानी सेना से नहीं। पह अफसोस की बात है कि पाकिस्तानी सेना ने आतंकवादियों के समर्थन में इस लड़ाई में शामिल होने का फैसला किया। इसलिए इस संघर्ष में पाकिस्तान को जो भी नुकसान हुआ है, उसके लिए वे खुद जिम्मेदार हैं। उन्होंने आतंकवादियों के व्यवहार में आये अंतर का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों से आतंकवादी धार्मिक स्थलों एवं यात्राओं को निशाना बनाने लगे थे और पहलगाम में उनका पाप का घड़ा भर गया था। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान पाकिस्तानी सेना द्वारा इस्तेमाल किये गये चीन निर्मित हथियार नाकाम साबित हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वायुरक्षा प्रणाली को संदर्भों में समझने की जरूरत है। पिछले दस साल में सरकार से सेनाओं को जो बजटीय समर्थन मिला है उससे हमें देश की वायुरक्षा प्रणाली मजबूत एवं आधुनिक बनाने में बड़ी मदद मिली है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर में तीनों सेनाओं, सीमा सुरक्षा बल, और सरकारी एजेंसियों का पूरा समन्वय रहा।

सूर्यास्त 13-05-2025 6:37 बजे	सूर्योदय 14-05-2025 5:54 बजे
BSE 82,429.90 (+2,975.43)	NSE 24,924.70 (+916.70)
सोना 10,137 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 99,565 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मारो इनको

जो करे पीठ पर वार सदा,
हम सबक सिखाएं कायर को।
सेना को अब है खुली छूट,
मारेंगे हर इक डायर को।
सारी दुनिया के सम्मुख हम,
नंगा कर देंगे लायर को।
जब लगा धूजने दुश्मन तब,
कर दिया सीज़ क्यों फायर को।

मेरे प्रशासन ने भारत और पाकिस्तान के बीच 'परमाणु संघर्ष' को रोका : ट्रंप का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन, 12 मई (भाषा) अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को अपना यह दावा दोहराया कि उनके प्रशासन ने भारत और पाकिस्तान से यह कहकर दोनों दक्षिण एशियाई पड़ोसी देशों के बीच ''परमाणु संघर्ष'' रोक दिया कि अगर वे संघर्षविराम करते हैं, तो अमेरिका उनके साथ बहुत सारा व्यापार करेगा।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत में कहा, ''शनिवार को मेरे प्रशासन ने भारत और पाकिस्तान के बीच पूर्ण और तत्काल संघर्षविराम कराने में मदद की। मुझे लगता है कि यह एक स्थायी संघर्षविराम होगा, जिससे दो ऐसे राष्ट्रों के बीच खतरनाक संघर्ष समाप्त होगा, जिनके पास बहुत सारे परमाणु हथियार हैं।'' उन्होंने संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत भारतीय उपमहाद्वीप में पिछले कुछ दिनों में हुई ऐतिहासिक घटनाओं का उल्लेख करके की।

भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार को वार्ता के बाद सैन्य कार्रवाई और गोलीबारी रोकने के लिए सहमति बनी।

नयी दिल्ली में भारत सरकार के सूत्रों का कहना है कि भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाइयों को तत्काल प्रभाव से रोकने पर सहमति बन गई है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई तीसरा पक्ष शामिल नहीं था। ट्रंप ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच काफी तनाव था और ऐसा लग रहा था कि यह रुकने वाला नहीं है।

ट्रंप ने कहा, ''मुझे आपको यह बताते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि भारत और पाकिस्तान का नेतृत्व दृढ़ और सशक्त था। दोनों के पास स्थिति की गंभीरता को पूरी तरह से जानने और समझने की ताकत, बुद्धि और धैर्य था।''

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान से कहा कि यदि वे संघर्ष रोक दें, तो अमेरिका उनके साथ बहुत सारा व्यापार करेगा।

भारत ने किया खंडन

नयी दिल्ली, 12 मई (वार्ता) भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस दावे का खंडन किया है कि उन्होंने भारत एवं पाकिस्तान को व्यापार बंद करने की धमकी दी तो दोनों देश सैन्य कार्रवाई रोकने को सहमत हुए। सूत्रों ने अमेरिकी राष्ट्रपति के दावे का खंडन करते हुए कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होने के बाद, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने नौ मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। इसके अलावा अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने आठ मई और 10 मई को विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से और 10 मई को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से बात की। सूत्रों ने कहा कि तीनों वार्तालाप में से किसी भी चर्चा में व्यापार का कोई संदर्भ नहीं था।

हर चीज का श्रेय लेने के इच्छुक नेता हैं ट्रंप : थरूर

नयी दिल्ली, 12 मई (भाषा) कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने भारत और पाकिस्तान के बीच ''मध्यस्थता'' संबंधी बयान को लेकर सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना की और कहा कि वह ''किसी भी बात का श्रेय लेने के इच्छुक नेता'' हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच गलत तुलना की और उनके द्वारा एक पीड़ित और एक अपराधी को समान बताया जाना चौंकाने वाली बात है। मध्यस्थता संबंधी ट्रंप की घोषणा के बारे में पूछे जाने पर लोकसभा सदस्य ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''मैं उन्हें एक विशेष राजनेता के रूप में देखता हूं जो किसी भी चीज का श्रेय लेना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, ''भारत सरकार ने शायद कहा था कि अगर वे श्रेय लेना चाहते हैं तो उन्हें लेने दें, लेकिन हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि शांति पाकिस्तान के डीजीएमओ के अनुरोध के बाद हुई, जिन्होंने अपने भारतीय समकक्ष से दिन में अपराह्न 3:35 बजे (शनिवार) संपर्क किया और हमें हां कहने में ज्यादा देर नहीं लगी क्योंकि हम कभी भी लंबा युद्ध नहीं चाहते थे।''

पाक सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कहा

पाक सेना के हौसले को कोई कमजोर नहीं कर सकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद, 12 मई (भाषा) पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान की सशस्त्र सेनाएं पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं और उनका संकल्प किसी भी शत्रुतापूर्ण मंसूबे से कमजोर नहीं हो सकता।

सेना की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, जनरल मुनीर ने यह टिप्पणी भारत के साथ सैन्य टकराव में घायल हुए सैनिकों और नागरिकों का हालचाल जानने के लिए रावलपिंडी स्थित संयुक्त सैन्य अस्पताल (सीएमएच) के दौरे के दौरान की। बयान के अनुसार, मुनीर ने घायलों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की, उनके साहस और कर्तव्य के प्रति समर्पण की सराहना की और यह विश्वास दिलाया कि पाकिस्तान की सशस्त्र सेनाएं उनके इलाज, पुनर्वास और कल्याण के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हैं।

जनरल मुनीर ने कहा, ''पाकिस्तान की सशस्त्र सेनाओं के संकल्प को कोई भी शत्रुतापूर्ण योजना कमजोर नहीं कर सकती। पूरा राष्ट्र अपने हर एक सैनिक के साथ एकजुटता के साथ खड़ा है।''

प्रधानमंत्री मोदी ने उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच निर्धारित वार्ता से पहले एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर शामिल हुए। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और तीनों सेना प्रमुख भी शामिल हुए। मोदी 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले पर देश की सैन्य और कूटनीतिक प्रतिक्रिया में शामिल शीर्ष सरकारी पदाधिकारियों के साथ नियमित बैठक कर रहे हैं।

भारत और पाकिस्तान ने गत शनिवार को तत्काल प्रभाव से जमीन, हवा और समुद्र में सभी गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए एक समझौते पर पहुंचने की घोषणा की। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) स्तर की वार्ता सोमवार को होनी है।

अभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के महालक्ष्मी लेआउट के चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में सोमवार को परमात्मा का महाभिषेक आचार्यश्री सिद्धसेन दिवाकर सूरीश्वरजी म.सा. द्वारा रचित कल्याण मंदिर महास्तोत्र से किया। मंदिर में सुन्दर अकल्पनीय, अद्वितीय अलौकिक, शंखनाद और जयघोषों के साथ पूरी श्रद्धा भक्ति से श्रद्धालुओं ने अभिषेक किया।

देवसर माँ के मंगलपाठ एवं भजन संध्या में झूमे भक्तगण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हरियाणा के भिवानी जिले स्थित देवसर धाम की दिव्यता और मां दुर्गा के प्रति अटूट श्रद्धा भक्ति को समर्पित एक आयोजन मां देवसर भक्त परिवार बेंगलूरु द्वारा रविवार को महाराजा अग्रसेन भवन में किया गया।

माँ देवसर भक्त परिवार पिछले पाँच वर्षों से न्यू तिप्पसंद्रा स्थित मंदिर परिसर में नियमित रूप से मंगल पाठ एवं भंडारा आयोजित करता आ रहा है।

यह आयोजन उस सिलसिले को और भव्य रूप देते हुए एक नई ऊँचाई पर ले गया। संगीतमय मंगल पाठ मुम्बई से आए रामावतार अग्रवाल एवं उनके सहयोगी कोलकाता के अनिल शर्मा ने किया। कोलकाता से नृत्य नाटिका टीम ने देवी की महिमा पर आधारित झांकी प्रस्तुत की।

इस कार्यक्रम में देवसर धाम भिवानी से गुरुजी वेदप्रकाशजी का सान्निध्य मिला। भजन संध्या में वंदना तुलस्यान ने सुरीली प्रस्तुति दी। बड़ीसंख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। कार्यक्रम में सुनील जैन (मित्तल), राजेश सांवरिया, हनुमान गुप्ता, गौरव जिंदल, नमन गोयल, सरोज जिंदल, शशि जैन एवं हेमलता सांवरिया की विशेष सहभागिता रही।

हनुमान चालीसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के महादेवपुरा स्थित एनसीसी मेपल हाइट्स अपार्टमेंट में, वर्तमान परिस्थितियों में भारत और पाक के बीच चल रहे सीज फायर को देखते हुए महिला मंडल ने 108 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया और सभी देशवासियों को आपस में संयम बरतने और सद्भाव से रहने की अपील की।

निवेश आकर्षित करने, मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में तेलंगाना सबसे आगे : मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को कहा कि निवेश आकर्षित करने, मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने में राज्य देश में सबसे आगे है।

सोनाटा सॉफ्टवेयर की यहां नई सुविधा का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दिसंबर, 2023 में सत्ता में आने के बाद से राज्य ने लगभग तीन लाख करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने निजी क्षेत्र में एक लाख से अधिक नौकरियां सृजित की हैं। दावोस में विश्व आर्थिक मंच और अमेरिका, दक्षिण कोरिया, जापान एवं सिंगापुर में निवेशक सम्मेलनों के दौरान सरकार ने दुनिया को यह विश्वास दिलाया है कि तेलंगाना का मतलब व्यापार है। तलेंगाना इस साल दावोस में सर्वाधिक करीब 1.78 लाख करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित करने वाला राज्य था। उन्होंने कहा, '' हम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह के निवेश के मामले में भारत में नंबर एक राज्य हैं।'' रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद अब सॉफ्टवेयर और जीवन विज्ञान दोनों में जीसीसी (वैश्विक क्षमता केंद्र) केंद्र है और यह शहर एआई-तैयार डेटा केंद्रों, जीवन विज्ञान व विनिर्माण क्षेत्रों के लिए एक अग्रणी केंद्र के रूप में भी उभरा है। माइक्रोसॉफ्ट, कॉग्निजेंट, एचसीएल टेक, इन्फोसिस और विप्रो जैसी दिग्गज आईटी कंपनियों ने हैदराबाद में नए परिसर खोले हैं और विस्तार कर रही हैं।

उन्होंने साथ ही कहा कि 'मिस वर्ल्ड' प्रतियोगिता अभी हैदराबाद में हो रही है और सरकार आने वाले दिनों में और अधिक वैश्विक कार्यक्रम सुनिश्चित करेगी।

ट्रंप की दवा कीमतों में कटौती की योजना से भारत पर दबाव पड़ सकता है: जीटीआरआई

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दवाओं की कीमतों में 30-80 प्रतिशत की कटौती करने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने की योजना से वैश्विक स्तर पर कीमतों में समायोजन हो सकता है। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने यह आशंका जाहिर करते हुए कहा कि ऐसे में दवा कंपनियां भारत जैसे कम कीमत वाले देशों पर दाम बढ़ाने के लिए दबाव डाल सकती हैं।

अमेरिका के इस कदम से भारत जैसे कम कीमत वाले देशों में दवाओं के दाम बढ़ सकते हैं, क्योंकि कंपनियां इन देशों से नुकसान और शोध एवं विकास (आरएंडडी) लागत की वसूली करना चाहेंगी। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने सोमवार को कहा, ''इससे वैश्विक स्तर पर कीमतों का फिर से मूल्यांकन होने की आशंका है, क्योंकि दवा कंपनियां व्यापार वार्ता के जरिये पेटेंट कानूनों को कड़ा करके भारत जैसे किफायती बाजारों पर कीमतें बढ़ाने के लिए दबाव बना रही हैं।'' उन्होंने कहा कि ट्रंप की मूल्य निर्धारण नीति एक चेतावनी होनी चाहिए, क्योंकि दवा कंपनियों को पश्चिम में सख्त मूल्य नियंत्रण का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में वे भारत जैसे बाजारों में कीमतें बढ़ाने की कोशिश करेंगी।

वाम दलों ने मिसरी का समर्थन किया, ब्रिटास ने गृहमंत्री से जांच का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाम दलों ने विदेश सचिव विक्रम मिसरी को निशाना बनाने वाले ऑनलाइन ट्रोल की सोमवार को आलोचना की और इस मामले पर सरकार की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राज्यसभा सदस्य जॉन ब्रिटास ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर आग्रह किया कि वरिष्ठ राजनयिक पर हुए ऑनलाइन हमलों की जांच कराई जाए। माकपा ने मिसरी और उनकी बेटी को ऑनलाइन ट्रोल किए जाने पर एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए 'एक्स' पर मिसरी की एक तस्वीर साझा की।

वामपंथी दल ने कहा, ''सरकार चुप क्यों है? ट्रोल करने वाले को शर्म आनी चाहिए।'' ब्रिटास ने शाह को लिखे पत्र में कहा, ''यह दुखद है कि उनकी नीतियों और निर्णयों की अभिव्यक्ति को गलत तरीके से समझा गया और उन्हें व्यक्तिगत रूप से बदनाम करने के लिए इसका इस्तेमाल किया गया। यह बेहद चिंताजनक है कि मिसरी को सोशल मीडिया पर मौखिक हमलों का सामना करना पड़ा है, यहां तक कि उनके बच्चों के खिलाफ जहरीली टिप्पणियां की गईं।'' उन्होंने गृह मंत्री से मिसरी और पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों की ऑनलाइन ट्रोलिंग की तत्काल जांच का आदेश देने का आग्रह किया।

ब्रिटास ने रविवार को कहा था कि मिसरी भारत के सबसे शानदार अधिकारियों में से एक हैं।

सीमा पर तनाव कम करने की सहमति से उत्साहित शेयर बाजार ने भरा फर्राटा, सेंसेक्स 2,975 अंक चढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव कम करने के लिए सहमति बनने का स्थानीय शेयर बाजार ने सोमवार को शानदार स्वागत किया और मानक सूचकांक सेंसेक्स एवं निफ्टी ने करीब चार प्रतिशत की छलांग के साथ एक कारोबारी सत्र की सबसे ऊंची बढ़त दर्ज की।

बीएसई के मानक सूचकांक सेंसेक्स में 2,975.43 अंक की जबर्दस्त तेजी देखी गई जबकि एनएसई निफ्टी ने 916.70 अंक की बड़ी छलांग लगाई।

विश्लेषकों ने कहा कि पाकिस्तान के साथ जारी तनाव को खत्म करने करने के लिए दोनों देशों के बीच सहमति बनने से निवेशकों के बीच सकारात्मक धारणा बनी। इसके अलावा अमेरिका और चीन के बीच सीमा शुल्क संबंधी समझौते की घोषणा से भी निवेशक उत्साहित हुए। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 2,975.43 अंक यानी 3.74 प्रतिशत बढ़कर सात महीने से अधिक के उच्चस्तर 82,429.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 3,041.5 अंक बढ़कर 82,495.97 अंक पर पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला निफ्टी 916.70 अंक यानी 3.82 प्रतिशत की शानदार तेजी के साथ 24,924.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 936.8 अंक बढ़कर 24,944.80 अंक पर पहुंच गया था।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), धातु, रियल्टी और प्रौद्योगिकी शेयरों की अगुवाई में हुई खरीदारी के चलते सेंसेक्स और निफ्टी ने एक कारोबारी सत्र की सबसे बड़ी बढ़त दर्ज की। दोनों सूचकांकों इससे पहले तीन जून, 2024 को लोकसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा से एक दिन पहले सबसे बड़ी बढ़त दर्ज की थी। उस दिन सेंसेक्स में 2,507.45 अंक और निफ्टी में 733.20 अंक की भारी बढ़त देखी गई थी। जियोजीत इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''सकारात्मक भू-राजनीतिक एवं आर्थिक घटनाक्रम के मेल ने हाल के दिनों की सबसे बड़ी एक दिन की तेजी का रास्ता तैयार किया।'' उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का प्रवाह जारी रहने, साथ ही कारोबारी धारणा में तेजी से सुधार की उम्मीदों ने खुदरा भागीदारी बढ़ाई जिससे इस तेजी को बल मिला।

दिल्ली हवाई अड्डे पर दंपति ने 'चेक-इन' बैग से 30 लाख रुपए के आभूषण चोरी होने का दावा किया

नई दिल्ली/भाषा। बेंगलूरु के एक दंपति ने दावा किया है कि दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनके 'चेक-इन' बैग से करीब 30 लाख रुपए मूल्य के आभूषण और 30 हजार रुपए नकद चोरी हो गए। दंपति ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

यह घटना 26 अप्रैल की सुबह इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 पर हुई। शिकायतकर्ता भगीरथ सिंह राजपुरोहित ने बताया कि बेंगलूरु पहुंचने के बाद जब उन्होंने अपना बैग खोला, तो पाया कि उसमें रखे कीमती सामान गायब थे।

राजपुरोहित ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमारे 'चेक-इन' बैग से लगभग 30 लाख रुपए मूल्य के करीब 29-30 तोला सोने के आभूषण चोरी हो गए। उन्होंने बताया कि इस मामले में हवाई अड्डा स्थित दिल्ली पुलिस थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

पेशे से बैंकर राजपुरोहित ने बताया कि वह और उनकी पत्नी 14 अप्रैल को अपने गृह राज्य राजस्थान में एक विवाह समारोह में शामिल होने गए थे और दिल्ली होते हुए बेंगलूरु लौट रहे थे। राजपुरोहित ने बताया, आभूषण एक स्टील के डिब्बे में थे, जिसे ट्रॉली सूटकेस में रखा गया था।

महाराष्ट्र सरकार सशस्त्र बलों के साथ प्रभावी समन्वय करेगी : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार सशस्त्र बलों के साथ प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करेगी और उनके साथ मिलकर काम करेगी।

वह भारत-पाकिस्तान संघर्ष के मद्देनजर सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य प्रमुख एजेंसियों के प्रतिनिधियों की राज्य सरकार के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे।

एक बयान में कहा गया कि यह बैठक खुफिया आंकड़ों के आदान-प्रदान, प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग और एहतियाती कदम उठाने से संबंधित थी।

इसमें कहा गया कि बैठक में सुरक्षा एजेंसियों और सरकार के बीच सहयोग के लिए समन्वय तंत्र स्थापित करने पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सशस्त्र बलों ने जिस ताकत और सटीकता के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया वह बेजोड़ था। उन्होंने कहा, ''मैं सशस्त्र बलों को सलाम करता हूं। मुंबई अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह राज्य की वित्तीय राजधानी है। खुफिया जानकारी साझा करना अत्यंत महत्वपूर्ण होगा और साइबर सुरक्षा के मोर्चे पर पर्याप्त सावधानी बरतने की जरूरत है।'' महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा क्षेत्र के लिए भारतीय सेना के 'जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी)' लेफ्टिनेंट जनरल पवन चड्ढा, नौसेना के 'फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग' (महाराष्ट्र नौसेना क्षेत्र-एफओएमए) रियर एडमिरल अनिल जग्गी, भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के एयर वाइस मार्शल रजत मोहन, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी),बीएसई, आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस), होम गार्ड्स के प्रतिनिधि इस बैठक में उपस्थित थे।

बैठक में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार, महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती और अन्य संबंधित लोग भी शामिल हुए।

पाकिस्तानी गोलाबारी के कारण घर छोड़कर गए लोग अब लौट सकते हैं: उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुंछ/जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में हाल की पाकिस्तानी गोलाबारी से युद्ध जैसे हालात पैदा हुए और जो लोग अपने घर छोड़ गए थे, वे वापस आ सकते हैं क्योंकि दोनों देशों के बीच अब एक सैन्य सहमति बन गई है।

अब्दुल्ला ने पाकिस्तानी सेना के जारी दुष्प्रचार को भी खारिज करते हुए कहा कि पड़ोसी देश इसे जारी रखेगा, लेकिन वास्तविकता दुनिया को पता है।

अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''उन्हें (सीमावर्ती निवासियों को) अब अपने घर लौटने का प्रयास करना चाहिए। पुंछ शहर का 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा खाली है। जब गोलाबारी हो रही थी, तब वे अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित जगहों पर चले गए थे। अब गोलाबारी बंद हो गई है, तो वे अपने घरों को लौट सकते हैं।''

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने अपने कैबिनेट सहयोगी जावेद राणा, सलाहकार नासिर असलम वानी और विधायक ऐजाज जान के साथ सोमवार को पुंछ और सुरनकोट क्षेत्रों में पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित लोगों से मुलाकात की और क्षेत्र में बंकर स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

अब्दुल्ला के साथ उनके बेटे जमीर और जहीर भी साथ थे। अब्दुल्ला ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर हाल की स्थिति को युद्ध जैसी स्थिति बताया, जिसमें पुंछ जिले में सबसे भारी गोलाबारी हुई। उन्होंने कहा, ''पिछले तीन-चार दिनों से जम्मू कश्मीर में युद्ध जैसा माहौल था। सीमापार से गोलाबारी का खामियाजा भुगतने वाले सभी क्षेत्रों में पुंछ सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है।''

नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नेता अब्दुल्ला ने कहा कि यह पहली बार है कि शहरों के बीचों-बीच गोले गिरे हैं और भारी बमबारी हुई है। उन्होंने कहा, ''हमने 13 अनमोल जानें गंवाई हैं। आज यहां आने का मेरा उद्देश्य कम से कम उन घरों तक पहुंचना है जहां यह त्रासदी हुई है।''

अब्दुल्ला ने स्थानीय नागरिक समाज के सदस्यों से मुलाकात की और प्रतिकूल परिस्थितियों में सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए पुंछ के लोगों की सराहना की। उन्होंने कहा, ''कठिन परिस्थितियों के बावजूद, उन्होंने हिंदुओं, मुसलमानों और सिखों के बीच एकता की विरासत को कायम रखा।''

कर विभाग ने आकलन वर्ष 2025-26 के लिए सभी सात आईटीआर फॉर्म अधिसूचित किए

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2025-26 के लिए सभी सात आयकर रिटर्न फॉर्म अधिसूचित कर दिए हैं। छोटे और मझोले करदाताओं द्वारा दाखिल किए जाने वाले आईटीआर फॉर्म एक और चार को 29 अप्रैल को अधिसूचित किया गया था। ट्रस्ट और धर्मार्थ संस्थानों द्वारा दाखिल किए जाने वाले आईटीआर-7 को 11 मई को अधिसूचित किया गया। आईटीआर-एक और चार में एक महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है, जो सूचीबद्ध इक्विटी से पूंजीगत लाभ आय बताने से संबंधित है। इसके तहत सूचीबद्ध शेयरों से 1.25 लाख रुपए तक के दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पाने वाले व्यक्तियों के लिए रिटर्न दाखिल करना आसान बनाया गया है। अब वेतनभोगी व्यक्ति और अनुमानित कराधान योजना के तहत आने वाले वे लोग, जिनका एक वित्त वर्ष में 1.25 लाख रुपए तक का दीर्घावधि पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) है, क्रमशः आईटीआर-1 और आईटीआर-4 दाखिल कर सकेंगे। पहले ऐसे व्यक्तियों/इकाइयों को आईटीआर-2 दाखिल करना होता था।

सोने में 3,400 रुपए की बड़ी गिरावट, अमेरिका-चीन व्यापार समझौते से मांग घटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका द्वारा चीन के आयात पर शुल्क वृद्धि को 90 दिन तक रोकने की घोषणा के बाद कारोबारियों ने सुरक्षित निवेश विकल्प यानी सोने से हटकर खरीदारी की, जिससे राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने की कीमत 3,400 रुपए की भारी गिरावट के साथ 96,550 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गई।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना सोमवार को 3,400 रुपए गिरकर 96,100 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया। यह 23 जुलाई, 2024 को सोने की कीमतों में 3,350 रुपए की गिरावट के बाद से 10 माह की सबसे बड़ी गिरावट है। शनिवार को 99.9 और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 99,950 रुपए और 99,500 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के उपाध्यक्ष (जिंस) राहुल कलंत्री ने कहा, ''अमेरिका और चीन के बीच व्यापार वार्ता में प्रगति के संकेत और भारत-पाकिस्तान सहित भू-राजनीतिक तनाव में कुछ राहत के बीच सोने की कीमतों में भारी गिरावट आई है।'' साथ ही, चांदी की कीमतें शनिवार के बंद भाव 99,900 रुपए प्रति किलोग्राम से 200 रुपए टूटकर 99,700 रुपए प्रति किलोग्राम रह गईं।

सप्ताहांत में जिनेवा में व्यापार वार्ता के बाद, अमेरिका ने चीनी वस्तुओं पर अपनी 145 प्रतिशत शुल्क दर को घटाकर 30 प्रतिशत करने पर सहमति व्यक्त की, जबकि चीन ने 90 दिन की अवधि के लिए अमेरिकी वस्तुओं पर अपनी दर को घटाकर 10 प्रतिशत करने पर सहमति व्यक्त की।

‘संघर्षविराम’ से पहले सर्वदलीय बैठक, संसद आहूत की जानी चाहिए थी : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को कहा कि केंद्र को पाकिस्तान के साथ सभी सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनाने से पहले सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए थी और संसद सत्र आहूत करना चाहिए था। सिद्दरामय्या ने कहा कि आतंकवादियों और उनके आकाओं के खिलाफ अभियान का पूरा श्रेय सशस्त्र बलों को जाना चाहिए और किसी को भी इसका राजनीतिक श्रेय नहीं लेना चाहिए।

सिद्दरामय्या ने एक सवाल के जवाब में कहा, ‘‘संघर्ष विराम की घोषणा कर दी गई और दोनों देश इस पर सहमति पर पहुंच गए हैं। दोनों देशों के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) की बातचीत होने वाली है, देखते हैं कि वहां क्या निर्णय होता है।’’

उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ‘‘मेरी राय में उन्हें (केंद्र सरकार को) संघर्षविराम से पहले सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए थी। साथ ही संसद भी आहूत करनी चाहिए थी, क्योंकि यह बहुत गंभीर मामला है।’’ कई लोगों द्वारा 1971 के बांग्लादेश मुक्तिसंग्राम के दौरान दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का उनके नेतृत्व और वर्तमान भारत-पाकिस्तान स्थिति के बीच तुलना करने के उद्देश्य से उदाहरण दिए जाने पर उन्होंने कहा, 1971 के बाद से कई वर्ष, लगभग 54 वर्ष बीत चुके हैं, मैं अब इसके बारे में बात नहीं करना चाहता। संघर्षविराम की घोषणा हो चुकी है, डीजीएमओ बात कर रहे हैं, देखते हैं क्या होता है।

यह पूछे जाने पर कि क्या राज्य में सभी पाकिस्तानी नागरिक देश छोड़कर चले गए हैं, सिद्दरामय्या ने कहा कि मैसूरु में केवल तीन बच्चे हैं और बाकी सभी चले गए हैं। उन्होंने कहा कि तीनों बच्चों की उम्र छह साल से कम है, उनकी मां भारतीय और पिता पाकिस्तानी है। उन्होंने कहा, तीनों बच्चे सीमा पर गए थे और जब कोई उन्हें लेने नहीं आया तो वे वापस लौट आए। अब वे अपनी मां के साथ हैं।’’

टीवी अभिनेता राकेश पुजारी का निधन

उडुप्पी। रियलिटी शो कॉमेडी ‘किलाडिगालु’ के तीसरे सीजन के विजेता एवं हास्य कलाकार राकेश पुजारी का उडुप्पी के पास निट्टे में रविवार को एक विवाह समारोह के दौरान अचानक दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 34 वर्ष के थे। पुजारी के पारिवारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि पुजारी को मेहंदी समारोह के दौरान दिल का दौरा पड़ा और कुछ ही देर बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उडुप्पी जिले में करकला के मूल निवासी राकेश पुजारी, दिनकर पुजारी और शांभवी के पुत्र थे। उन्हें टेलीविजन पर प्रसारित कन्नड़ धारावाहिक हिटलर कल्याण में शानदार अभिनय के लिए लोकप्रियता मिली। उन्होंने कई अन्य टेलीविजन कार्यक्रमों और फिल्मों में भी अभिनय किया। उनके असामयिक निधन पर अभिनेताओं समेत कन्नड़ टेलीविजन और फिल्म जगत से जुड़े लोगों ने संवेदना व्यक्त की है। राकेश पुजारी के परिजन ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार उनके गृहनगर करकला में किया जाएगा।

प्रार्थना

बेंगलूरु में बुद्ध पूर्णिमा समारोह के दौरान महाबोधि सोसाइटी में प्रार्थना करते भक्त।

कांग्रेस सरकार के दो साल पूरे होने का जश्न 20 को विजयनगर में मनाए जाने की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु/बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को संकेत दिया कि कांग्रेस सरकार के दो साल पूरा होने के उपलक्ष्य में विजयनगर जिले में आयोजित होने वाला कार्यक्रम 20 मई को होने की संभावना है। सिद्दरामय्या ने कहा कि उनकी सरकार ने राज्य के लोगों से किया गया वादा पूरा किया है। कर्नाटक में सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले समारोह को मंत्रिमंडल ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के मद्देनजर शुक्रवार को अनिश्चित काल के लिए टालने का निर्णय किया।

सिद्दरामय्या ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, ‘‘हम इसे (समारोह) करना चाहते हैं, क्योंकि जब हमने कैबिनेट में इसे टालने का निर्णय किया था, तब संघर्षविराम (सैन्य कार्रवाई रोकने पर दोनों देशों की सहमति) की घोषणा नहीं की गई थी।’’ मैसूरु में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला और के सी वेणुगोपाल पहले ही पार्टी नेताओं मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी को (कार्यक्रम को) टाले जाने के बारे में बता चुके हैं।

उन्होंने कहा, ‘‘वे (सुरजेवाला और वेणुगोपाल) अब उनसे (खरगे और गांधी से) बात करेंगे और हमें बताएंगे। हम कार्यक्रम आयोजित करना चाहते हैं।’’ सिद्दरामय्या से जब उनकी सरकार के प्रदर्शन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ‘‘अगर कोई सरकार है जो वादे पर खरी उतरी है तो वह हमारी सरकार है। हमने वादे के मुताबिक काम किया है।’’

कैबिनेट में फेरबदल की संभावना के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने जवाब देने से बचते हुए कहा कि जब यह होगा तो मीडिया को सूचित कर दिया जाएगा। कांग्रेस सरकार इस कार्यक्रम के दौरान पात्र लाभार्थियों को एक लाख ‘स्वामित्व पत्र’ वितरित करने की योजना बना रही है, जिनकी अवैध बस्तियों को राजस्व गांव घोषित किया गया है।

इससे पहले, बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए, उपमुख्यमंत्री एवं कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस प्रमुख डी के शिवकुमार ने भी कहा कि 20 मई को विजयनगर में एक कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी शुरू की जा रही है। उन्होंने कहा, हमने सीमा पर स्थिति को देखते हुए इसे टालने का फैसला किया था, लेकिन अब संघर्षविराम लागू होने के बाद हम इसे करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सभी जिला प्रभारी मंत्रियों को विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करने और वहां अधिकारियों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अलग-अलग बैठकें करने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि सरकार दो साल के जश्न के दौरान पात्र लाभार्थियों को एक लाख स्वामित्व पत्र (टाइटल डीड) वितरित करने की भी योजना बना रही है, जैसा कि घोषणापत्र में वादा किया गया है। शिवकुमार ने कहा, ‘‘इस कार्यक्रम के लिए कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व को भी आमंत्रित किया जाएगा।’’

खरगे ने ऑपरेशन सिंदूर, संघर्ष ‘विराम पर चर्चा के लिए विशेष संसद सत्र की मांग दोहराई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार से पहलगाम आतंकवादी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और हाल में घोषित संघर्ष विराम सहित सीमापार से गोलीबारी के नवीनतम घटनाक्रम पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की अपनी मांग सोमवार को दोहरायी। राज्यसभा में विपक्ष के नेता खरगे ने कहा कि हालांकि हर कोई शांति चाहता है, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर देश की रक्षा की जानी चाहिए और भारतीय सशस्त्र बलों ने ऐसा करने के लिए पूरी ताकत से लड़ाई लड़ी है।

खरगे ने कहा, ‘‘राहुल गांधी और मैंने, प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। हम चाहते हैं कि हमारे देश, पाकिस्तान में क्या हो रहा है और अन्य घटनाक्रमों के साथ ही हम अपने लोगों की सुरक्षा के लिए क्या उपाय कर सकते हैं, इस पर चर्चा करने के लिए सत्र बुलाया जाए।’’ उन्होंने ‘पीटीआई-वीडियो’ से बात करते हुए कहा, हम चाहते हैं कि चर्चा हो। देखते हैं सरकार क्या कदम उठाती है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर संसद के दोनों सदनों का एक विशेष सत्र बुलाने की अपनी मांग दोहरायी है। खरगे ने रविवार को अपने पत्र में पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर और संघर्षविराम की घोषणाओं- पहले वाशिंगटन डीसी की ओर से और बाद में भारत और पाकिस्तान की सरकारों की ओर से- पर चर्चा के लिए एक विशेष सत्र बुलाने के लिए सभी विपक्षी दलों की सर्वसम्मत मांग से अवगत कराया। भारत और पाकिस्तान ने जमीन, वायु और समुद्र में सभी तरह की गोलाबारी और सैन्य कार्रवाइयों को तत्काल प्रभाव से रोकने के लिए शनिवार को सहमति जताई।

कांग्रेस प्रमुख खरगे ने कहा, ‘‘भारत अपने वादे निभाता है, लेकिन पाकिस्तान बार-बार उन्हें तोड़ता है और लोगों को परेशान करता है। वे (पाकिस्तान) सीधे युद्ध नहीं करते हैं - वे युद्ध छेड़ने के लिए आतंकवादियों का इस्तेमाल करते हैं। अगर वे लड़ते हैं, तो हमें लड़ने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। अगर वे चुप रहते हैं, तो हम भी शांति बनाए रखेंगे।’’ उन्होंने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर हर कोई स्वाभाविक रूप से बुद्ध की शिक्षाओं के अनुरूप शांति की कामना करता है।

खरगे ने कहा, भारत दो हजार साल से भी ज़्यादा समय से उनकी शिक्षाओं का पालन कर रहा है। हम हर जगह शांति की कामना करते हैं और उम्मीद करते हैं कि हर कोई शांति से रहे। लेकिन देश की रक्षा के लिए हमें लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए- क्योंकि अगर देश सुरक्षित है, तो हम सब सुरक्षित हैं। हमारी सेना बहादुरी से लड़ रही है और हम उनके साहस और प्रतिबद्धता को सलाम करते हैं। सभी को देश के लिए एकजुट होना चाहिए और इसके लिए मजबूती से खड़ा होना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर की तुलना वर्ष 1971 के युद्ध से करना बेकार है : एन रविकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रवि कुमार ने सोमवार को कहा, कांग्रेस नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से करके उन्हें कमजोर दिखाने का प्रयास पूरी तरह से निरर्थक, अनुचित और अप्रासंगिक है। यहां जारी एक बयान में, रवि कुमार ने कहा कि दिसंबर 1971 में श्रीमती इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ एक पूर्ण पारंपरिक युद्ध लड़ा और विजयी हुआ, जबकि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के विरुद्ध शुरू किया गया सटीक कार्रवाई है, इसका लक्ष्य सीमा पार पाकिस्तान में आतंकवादियों और उनके शिविरों को खत्म करने की भूमिका तक ही सीमित है।

उन्होंने कहा, काल्पनिक रूप से कहें तो अगर यह पूर्ण रूप से पारंपरिक युद्ध होता, तो मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत पूर्ण रूप से युद्ध जीत जाता। इसमें कोई संदेह नहीं है। रवि कुमार के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर भी एक शानदार सफलता रही है, क्योंकि नौ आतंकवादी शिविर पूरी तरह से नष्ट कर दिए गए हैं, लगभग 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए हैं, पाकिस्तान की महत्वपूर्ण वायु रक्षा प्रणाली पूरी तरह से नष्ट कर दी गई है और पाकिस्तान को युद्ध विराम के लिए भीख मांगने पर मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने कहा, किसी भी पैमाने और किसी भी पैरामीटर से, यह कोई मामूली उपलब्धि नहीं है। यह सब भारतीय रक्षा बलों द्वारा किए गए सावधानीपूर्वक ऑपरेशन के तीन दिनों के भीतर हुआ। प्रधानमंत्री ने नेतृत्व प्रदान किया। कांग्रेस नेताओं को अपनी पिछली उपलब्धियों के बारे में शेखी बघारना बंद कर देना चाहिए।

कर्नाटक कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर को पाकिस्तान में दिखाने वाली सोशल मीडिया पोस्ट हटाई, भाजपा भड़की

इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया जताते हुए विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाने वाला नक्शा ट्वीट करके कर्नाटक कांग्रेस ने एक बार फिर ‘‘पापी’’ पाकिस्तान के प्रति अपना स्नेह प्रदर्शित किया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में कांग्रेस द्वारा सोशल मीडिया पर किये गए एक पोस्ट में कथित तौर पर जम्मू कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाने वाला नक्शा शामिल था, जिस पर विपक्षी भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। सोशल मीडिया मंच ’एक्स’ पर किए गए इस पोस्ट को राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी कांग्रेस ने अब हटा दिया है। इस पोस्ट का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार की पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से ऋण रोकने में विफल रहने के लिए आलोचना करना था।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने नौ मई को मौजूदा विस्तारित निधि सुविधा के तहत पाकिस्तान को लगभग एक अरब अमेरिकी डालर तत्काल जारी करने को मंजूरी दे दी। भारत ने आईएमएफ का विरोध हाल ही में पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के दौरान किया था, जो 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद हुआ था। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे।

कांग्रेस के पोस्ट के बारे में संवाददाताओं द्वारा पूछे जाने पर कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने यहां कहा, ‘यह झूठ है। एक छोटी सी गलती हुई थी, हमने सब कुछ हटा दिया है...किसी ने शरारत की है।’ पार्टी के सोशल मीडिया हैंडल पर बार-बार हो रही गड़बड़ियों के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने अधिक जानकारी दिए बिना कहा, इन पोस्ट के लिए जिम्मेदार लोगों को हटा दिया गया है।

इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया जताते हुए विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाने वाला नक्शा ट्वीट करके कर्नाटक कांग्रेस ने एक बार फिर ‘‘पापी’’ पाकिस्तान के प्रति अपना स्नेह प्रदर्शित किया है। उन्होंने ’एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, कुल मिलाकर, इसमें कोई संदेह नहीं है कि कर्नाटक कांग्रेस पार्टी का आईटी सेल पाकिस्तानी आतंकवादियों के लिए एक ‘स्लीपर सेल’ है। अशोक ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ से काफी पहले मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या द्वारा की गई ‘‘युद्ध की कोई आवश्यकता नहीं’’ संबंधी टिप्पणी की ओर भी इशारा किया और कहा, मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान के पक्ष में वकालत की थी, जनता के आक्रोश के बाद अपना रुख बदल लिया। उन्होंने कहा कि ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के कुछ ही घंटे बाद कांग्रेस के एक सोशल मीडिया पोस्ट में शांति का आह्वान किया गया था, उसे भी जनता के गुस्से के कारण हटा दिया गया।

सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्रदुर्गा। कर्नाटक के होलालकेरे के पास सोमवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब उनकी कार एक लॉरी से टकरा गई।

यह परिवार आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले से उडुप्पी जा रहा था। हादसा मंगलवार तड़के करीब चार बजे हुआ। प्राथमिक जांच के अनुसार, एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कार चलाते समय वाहन चालक को नींद आ गई जिसके कारण गाड़ी दूसरी लेन में चली गई और सामने से आ रही लॉरी से टकरा गई। लॉरी मंगलूरु से बेल्लारी की ओर जा रही थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसे में एक महिला समेत एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कार चालक घायल हो गया। फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है और उसका चित्रदुर्ग के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने हादसे का मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

दिल्ली हवाई अड्डे पर दंपति ने ‘चेक-इन’ बैग से 30 लाख रुपये के आभूषण चोरी होने का दावा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नईदिल्ली। बेंगलूरु के एक दंपति ने दावा किया है कि दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनके ‘चेक-इन’ बैग से करीब 30 लाख रुपये मूल्य के आभूषण और 30 हजार रुपये नकद चोरी हो गए। दंपति ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

यह घटना 26 अप्रैल की सुबह इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 पर हुई। शिकायतकर्ता भगीरथ सिंह राजपुरोहित ने बताया कि बेंगलूरु पहुंचने के बाद जब उन्होंने अपना बैग खोला, तो पाया कि उसमें रखे कीमती सामान गायब थे। राजपुरोहित ने ’पीटीआई-भाषा’ को बताया, हमारे ‘चेक-इन’ बैग से लगभग 30 लाख रुपये मूल्य के करीब 29-30 तोला सोने के आभूषण चोरी हो गए।

उन्होंने बताया कि इस मामले में हवाई अड्डा स्थित दिल्ली पुलिस थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पेशे से बैंकर राजपुरोहित ने बताया कि वह और उनकी पत्नी 14 अप्रैल को अपने गृह राज्य राजस्थान में एक विवाह समारोह में शामिल होने गए थे और दिल्ली होते हुए बेंगलूरु लौट रहे थे। राजपुरोहित ने बताया, आभूषण एक स्टील के डिब्बे में थे, जिसे ट्रॉली सूटकेस में रखा गया था। उसी बैग में तीन पाउच में कुल 30,000 रुपये नकद भी थे। लेकिन जब हम बेंगलूरु पहुंचे और घर आए, तो पाया कि ये सारी कीमती चीजें गायब थीं। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा है कि वे सीसीटीवी फुटेज देख रहे हैं और जांच के लिए कई टीम बनाई गई हैं।

राजपुरोहित के अनुसार, बैग में नंबर लॉक और चेन पर एक छोटा ताला लगा था, जो सही-सलामत था, लेकिन बैग के भीतर एक तह में कटे का निशान था। राजपुरोहित ने कहा कि गायब हुए गहनों में सोने की बालियां, चूड़ियां, पायल और बाजूबंद शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा एक बैंक पासबुक और आधार कार्ड भी गायब हैं। राजपुरोहित ने घटना के पीछे एयरलाइंस के कर्मचारी का हाथ होने की आशंका जताई है। उन्होंने बताया कि 26 अप्रैल को सुबह करीब 7.20 बजे एयरलाइन में सामान ‘चेक-इन’ किया गया और विमान पूर्वाह्न 11.30 बजे रवाना हुआ। विमान अपराह्न करीब 2 बजे बेंगलूरु पहुंचा।

उन्होंने कहा, मेरी पत्नी के पास जितना भी सोना था, वो सब यही था। ये आभूषण उसके पैतृक स्थान पर बनवाए गए थे। हम पुलिस और हवाई अड्डा अधिकारियों से अनुरोध करते हैं कि वे दोषियों को जल्द से जल्द पकड़ें और हमारी कीमती वस्तुएं वापस दिलाने में मदद करें।’’ उन्होंने यह भी बताया कि उनके पिता, जो उसी दिन दिल्ली से डिब्रूगढ़ के लिए अलग उड़ान से रवाना हुए थे, उनकी सोने की चेन भी इसी तरह से चोरी हुई।

व्हाइट टॉपिंग की गुणवत्ता का नियमित निरीक्षण करेंगे : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवारको कहा कि वे निर्माण की अच्छी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए बेंगलूरु की व्हाइट टॉपिंग परियोजनाओं का नियमित निरीक्षण करेंगे। बेंगलूरु में विभिन्न स्थानों पर व्हाइट टॉपिंग कार्य का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं अधिकारियों द्वारा सुझाए गए स्थानों पर निरीक्षण नहीं करूंगा। मैं यादृच्छिक रूप से निरीक्षण करूंगा। हमें यह सुनिश्चित करना है कि यह व्हाइट टॉपिंग 30 वर्षों से अधिक समय तक मजबूत रहे। मेरे निरीक्षण के दौरान निर्माण की गुणवत्ता अच्छी थी।

अपशिष्ट प्रबंधन विक्रेताओं द्वारा माफिया की तरह व्यवहार करने के उनके बयान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, न्यायालय ने बेंगलूरु में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की निविदा पर रोक हटा दी है। न्यायालय ने निविदाएं आमंत्रित करने के लिए चार महीने का समय दिया है। हमारे पास निविदा में गड़बड़ी के सबूत हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रक्रिया पारदर्शी हो और शासन पारदर्शी और कुशल हो। चीजें एक दिन में नहीं होंगी बल्कि चरणों में सुधार होगा।

बार-बार आने वाली बाढ़ के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हमने आगामी बरसात के मौसम के लिए एहतियाती कदम उठाए हैं। अधिकारी सतर्क हैं।

विजयन ने वायनाड के भूस्खलन पीड़ितों के समय पर पुनर्वास का आश्वासन दिया

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने वायनाड में भूस्खलन से बचे लोगों के लिए पुनर्वास पहल को समय पर पूरा करने का सोमवार को आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के एक बयान के अनुसार, विजयन ने संबंधित अधिकारियों को प्रभावित लोगों के आवास का मासिक किराया तत्काल प्रदान करने का भी निर्देश दिया। यह निर्देश वायनाड के मुंडक्कई और चूरलमाला बस्तियों के बचे लोगों के लिए प्रस्तावित टाउनशिप पर निर्माण कार्य की प्रगति का आकलन करने के लिए आयोजित एक बैठक के दौरान जारी किया गया। पिछले साल भूस्खलन से इन क्षेत्रों में भारी तबाही मची थी। बयान में कहा गया है कि टाउनशिप के निर्माण के लिए प्रशासनिक, तकनीकी और वित्तीय मंजूरी प्राप्त करने को लेकर समयसीमा तय की गई है।

बैठक के बाद विजयन के हवाले से बयान में कहा गया, मुंडक्कई और चूरलमाला में भूस्खलन से प्रभावित लोगों का पुनर्वास समय पर पूरा कर लिया जाएगा। बैठक के दौरान, विजयन ने अधिकारियों को पेड़ों की कटाई, बिजली वितरण प्रणालियों के पुनर्गठन और अन्य संबंधित कार्यों से संबंधित सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने का भी निर्देश दिया। बयान में कहा गया है कि विजयन ने मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष से सहायता उपलब्ध कराने, अधिकारियों की तैनाती करने तथा जल प्रवाह को सुचारू बनाने के लिए जलाशयों से मलबा हटाने के संबंध में कदम उठाने में तेजी लाने के निर्देश दिए।

सीएमओ के बयान में कहा गया है कि बैठक में मुख्यमंत्री के अलावा कैबिनेट मंत्री के राजन और के एन बालगोपाल, मुख्य सचिव ए जयतिलक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

अन्नाद्रमुक ने पलानीस्वामी के जन्मदिन के अवसर पर रक्तदान शिविर लगाए

चेन्नई। तमिलनाडु में मुख्य विपक्षी दल ‘ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम’ ने अपने शीर्ष नेता और पार्टी के महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी के 71वें जन्मदिन के अवसर पर सोमवार को राज्यभर में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया। हाल ही में, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच उपजे तनाव को देखते हुए पलानीस्वामी ने अपने समर्थकों से अपील की थी कि वे 12 मई को उनके जन्मदिन पर जश्न मनाने या उनसे मिलने से परहेज करें।

परिवेदनाओं के निस्तारण में कोताही नहीं होगी बर्दाश्त : भजनलाल लाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जनता की समस्याओं का समाधान करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता और आमजन की संतुष्टि ही प्रमुख ध्येय बताते हुए कहा है कि सुशासन के उच्चतम मानकों के अनुरूप अधिकारी-कर्मचारी आमजन की परिवेदनाओं पर कार्यवाही करनी चाहिए। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने आमजन से व्यक्तिशः जनसंवाद करते हुए उनकी प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुना और अधिकारियों को इनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ना केवल समस्याओं का समाधान करना है बल्कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए गुड गवर्नेंस का बेहतरीन मॉडल स्थापित करना है। उन्होंने लकवा ग्रस्त मुकेश सिंह राजावत को मुख्यमंत्री सहायता कोष से नियमानुसार आर्थिक सहायता जारी करने के निर्देश प्रदान किए।

मुख्यमंत्री को राजावत ने अवगत कराया कि वे दो वर्ष से लकवा से पीड़ित हैं और उनका परिवार विषम आर्थिक परिस्थितियों का सामना कर रहा है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण को सूचीबद्ध करने के साथ ही उनका फॉलोअप सुनिश्चित करने और परिवादियों को सूचित करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जो कार्मिक आमजन की परिवेदनाओं के निस्तारण में लापरवाही बरते, उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही कार्मिक अगर सेवानिवृत्त हो गया है तो उस स्थिति में उनकी पेंशन भी रोकी जानी चाहिए।

शर्मा ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनरेगा, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों से संबंधित परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया।

भजनलाल ने बाघ हमले में रेंजर की मृत्यु पर जताया दुख

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सवाईमाधोपुर के रणथंभौर में बाघ द्वारा किए गए हमले में फॉरेस्ट रेंजर देवेंद्र चौधरी की मृत्यु पर दुख प्रकट करते हुए इसे अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक बताया है। शर्मा ने सोशल मीडिया पर कहा मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं।प्रभु राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिवार को यह वज्रपात सहन करने की शक्ति प्रदान करें। इसी तरह पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी दुख व्यक्त करते हुए कहा कि एक बाघ हमे में रेंजर देवेंद्र चौधरी की मृत्यु समाचार दुखद एवं चिंताजनक है। उन्होंने चौधरी के परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह चिंता का विषय है क्योंकि अभी हाल में 16 अप्रैल को एक टाइगर के हमले में एक बालक की मृत्यु हो गई थी।

गहलोत ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि इसे गंभीरता से लेना चाहिए और वन अधिकारियों तथा वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट्स के साथ मिलकर इसे विषय पर मंथन करना चाहिए।

सीमावर्ती जिलों में हालात सामान्य होने लगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में हालात सोमवार को सामान्य होते नजर आए जहां आम जनजीवन हमेशा की तरह शुरू हुआ। पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच इन इलाकों में रविवार की रात भी 'ब्लैकआउट' में गुजरी। हालांकि, सोमवार सुबह से हालात सामान्य होते नजर आए और लोग आम दिनों की तरह अपनी दिनचर्या में व्यस्त दिखे। इलाके के प्रमुख शहरों व कस्बों में सुबह सवेरे चाय की थड़ियों और दुकानों पर लोगों की भीड़ रही और वे हमेशा की तरह बातचीत करते दिखे। सीमावर्ती जैसलमेर के निवासी जालम सिंह ने कहा, अब हालात सामान्य हो गए हैं। पिछली रात शांतिपूर्ण रही।

उल्लेखनीय है कि रविवार रात बाड़मेर में 'ब्लैकआउट' के तुरंत बाद प्रशासन ने 'ड्रोन आने की गतिविधियां दर्ज' होने का अलर्ट जारी किया। लोगों से अपने घरों में रहने को कहा गया। हालांकि किसी तरह के विस्फोट की आवाज नहीं सुनी गई और जिला प्रशासन ने कुछ समय बाद सेना द्वारा ड्रोन को मार गिराए जाने संबंधी एक सोशल मीडिया पोस्ट का खंडन किया।

सीमावर्ती जिलों में रविवार रात 'ब्लैकआउट' का समय अलग-अलग जिलों में अलग-अलग रहा। जैसलमेर में शाम 7:30 बजे से सुबह 6 बजे तक, बीकानेर में शाम 7 बजे से सुबह 5 बजे तक, गंगानगर में शाम 7 बजे से सूर्योदय तक और बाड़मेर में रात 8 बजे से सुबह 6 बजे तक ब्लैकआउट रहा। जोधपुर में ब्लैकआउट नहीं हुआ। एहतियात के तौर पर सीमावर्ती इलाकों में स्कूल, कॉलेज और कोचिंग सेंटर सोमवार को बंद रहेंगे। जयपुर में गृह विभाग के एक अधिकारी ने बताया, सुरक्षा बल सतर्क हैं और भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के मद्देनजर किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सभी जिलों में सभी इंतजाम किए गए हैं।

ज्येष्ठ माह में गोविंद देवजी मंदिर में शुरू हुआ जल उत्सव, ठाकुरजी ने राधारानी संग दिए शीतल फुहारों में दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

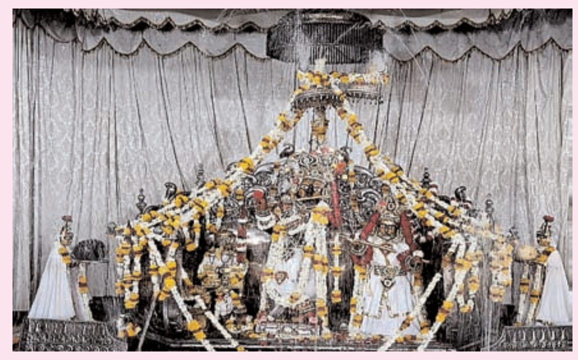

जयपुर। ज्येष्ठ माह शुरू होते ही मंदिरों में ठाकुरजी को तेज गर्मी से निजात दिलाने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। ठाकुर जी के गर्भ गृह में फव्वारों से ठंडक की जा रही है। इसी कड़ी में सोमवार को गोविंद देवजी मंदिर में जल उत्सव की शुरुआत हुई। इससे लिए ठाकुरजी को चांदी के रियासतकालीन सिंहासन पर विराजमान किया गया। ठाकुरजी ने राधा रानी संग सुगंधित जल की फुहारों के बीच भक्तों को दर्शन दिए। दोपहर को महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में गोविन्ददेवजी मंदिर के निज गर्भ मंदिर में रियासतकालीन फव्वारा चलाया गया। जल में चंदन, केवड़ा और गुलाब जल मिलाया गया। इससे पूरा मंदिर परिसर सुगंधित हो उठा। मंदिर के छांवण में प्रवेश करते ही भक्तों को शीतलता का अहसास हुआ। ठाकुरजी को सफेद धोती और दुपट्टा धारण कराकर हल्के पीले और धवल ऋतु पुष्पों से शृंगार किया गया। जलविहार का जल मंदिर के पीछे जय निवास उद्यान की ओर निकलने लगा। जहां श्रद्धालुओं ने जल में स्नान किया। कुछ दर्शनार्थी अपने साथ जल पात्र में भरकर घर भी लेकर गए। ठाकुरजी ने जलविहार के दौरान भक्तों को पानी बचाने का संदेश दिया। पहले जलविहार की झांकी एक घंटे की हुआ करती थी, उसका समय घटाकर मात्र 15 मिनट कर दिया गया है। जल यात्रा उत्सव के बाद आम, खरबूजा, तरबूज, खस और गुलाब का शरबत, मुरब्बे का भोग लगाया गया।

अधिकारी बुनियादी लोक सेवाओं की नियमित एवं निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करें : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल एवं राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने सोमवार को जोधपुर जिले की लूम्बा की ढ़ाणी (सायला) में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही कर आमजन को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। पटेल ने कहा है कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार हर वर्ग के उत्थान एवं कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार द्वारा 'विकसित राजस्थान /2047' विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है, जो प्रदेश को विकसित बनाने के लिए रोडमैप का कार्य करेगा। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा अल्प अवधि में प्रदेश के सड़क तंत्र को मजबूती प्रदान करने की दिशा में 9 हजार 600 किमी से अधिक नवीन सड़कों का निर्माण एवं 13 हजार किमी से अधिक सड़कों का उन्नयन किया गया। उन्होंने कहा आगामी वर्ष में सड़क तंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए लगभग 7 हजार 690 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा आगामी वर्ष में 20 लाख घरों में पेयजल कनेक्शन दिए जाएंगे। उन्होंने कहा प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सुविधा के लिए 425 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के कार्य करवाए जाएंगे। पटेल ने कहा कि बुनियादी लोक सेवाओं की नियमित एवं निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करना विभागीय अधिकारियों का सर्वोपरि दायित्व है, जिसे संवेदनशीलता एवं पारदर्शिता के साथ निर्वहन करना चाहिए ताकि सुशासन के संकल्प को साकार किया जा सके। उन्होंने आमजन की समस्याओं को सुना तथा संबंधित अधिकारियों से वस्तुस्थिति की जानकारी लेते हुए उनके संतोषपूर्ण एवं त्वरित समाधान के लिए व्यापक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

मुख्य सचेतक गर्ग ने कहा कि जनता तथा क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के प्रति अधिकारी गंभीरता बरतें तथा जनसेवा की भावना के साथ कार्य करते हुए सुशासन से परिपूर्ण राज-काज का आदर्श प्रस्तुत करें। इसके लिए विभागीय स्तर पर जन समस्याओं के निस्तारण के लिए पहल करें ताकि क्षेत्रवासियों की समस्याओं का निराकरण शीघ्रातिशीघ्र हो सके और इसके लिए उन्हें अनावश्यक देरी का सामना न करना पड़े।

राजस्थान में तापमान बढ़ने का अनुमान

जयपुर। मौसम विभाग ने राजस्थान में मंगलवार से तापमान बढ़ने भीषण गर्मी का एक नया दौर शुरू होने का अनुमान व्यक्त किया है। इसके अनुसार, आज सोमवार को एक बार पुनः बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, उदयपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में बादलों की गरज के साथ आंधी आने तथा हल्की-मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, बीते चौबीस घंटे में सर्वाधिक अधिकतम तापमान बीकानेर में 42.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। 13 मई से पश्चिमी राजस्थान के कुछ भागों से आंधी-बारिश की गतिविधियों में कमी होने तथा तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने की संभावना है। जोधपुर, बीकानेर संभाग के सीमावर्ती क्षेत्रों में 14 मई से अधिकतम तापमान 44-45 डिग्री दर्ज होने व कहीं-कहीं लू का नया दौर शुरू होने की संभावना है।

जैसलमेर में बुजुर्ग का अश्लील वीडियो बनाकर वेबसाइट पर अपलोड किया, युवती व उसका साथी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जैसलमेर जिले में एक बुजुर्ग का अश्लील वीडियो बनाकर उसे पोर्न वेबसाइट पर अपलोड करने के आरोप में युवती और उसके पुरुष साथी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश के डोडाघाट की निवासी स्मृति जैन (24) और बिहार के वैशाली के निवासी शानू कुमार (28) को जैसलमेर पुलिस की टीम ने नोएडा में पकड़ा और जैसलमेर ले आई।

वृत्ताधिकारी रूप सिंह इंदा ने बताया, आरोपियों को शनिवार को गिरफ्तार किया गया और वे न्यायिक हिरासत में हैं। उन्होंने बताया कि संदेह है कि आरोपियों ने इस तरह के कई और वीडियो भी बनाए हैं। स्मृति जैन ने जैसलमेर में 70 वर्षीय बुजुर्ग का उसके साथ कथित तौर पर अश्लील हरकतें करने का वीडियो बनाया था और जब वीडियो बनाया गया उस समय शानू कुमार चालक की सीट पर था। कथित वीडियो में एक युवती और उसका साथी सुनसान जगह पर कार रोककर भेड़-बकरी चरा रहे बुजुर्ग को बुलाकर उसके साथ अश्लील हरकतें करते नजर आ रहे हैं। यह वीडियो 'पोर्न' वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया और मामला चार मई को सामने आया। वीडियो सामने आने के बाद जैसलमेर पुलिस ने संज्ञान लेते हुए तनोट थाने में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो करोड़ रुपए का डोडा पोस्त जब्त, चार तस्कर गिरफ्तार

भरतपुर। पुलिस ने जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के निर्देशन में मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाया हुआ है। हरियाणा एसटीएफ गुरुग्राम से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर, चिकसाना पुलिस थाना और हरियाणा एसटीएफ की संयुक्त टीम ने एक कंटेनर और एक स्कार्पियो गाड़ी की तलाशी ली। इस कार्रवाई में, पुलिस ने लगभग 2 करोड़ रुपए की अनुमानित अंतरराष्ट्रीय कीमत का 1996 किलो 840 ग्राम डोडा पोस्त जब्त किया है। एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें मुख्य कंटेनर चालक बाबू सिंह और स्कार्पियो में सवार तीन अन्य तस्कर शामिल हैं। इसके साथ ही, मादक पदार्थों की तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे एक कंटेनर (क्व62-8858) और एक स्कार्पियो गाड़ी को भी जब्त किया गया है।

यह अभियान भरतपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश और जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा आईपीएस के मार्गदर्शन में चलाया गया। 11 मई 2025 को, पुलिस निरीक्षक हनुमान सहाय और उनकी टीम ने गश्त के दौरान हरियाणा एसटीएफ यूनिट गुड़गांव से सूचना मिलने पर नाकाबंदी की। सूचना में बताया गया था कि आगरा की ओर से आ रहा एक कंटेनर, जिसके आगे एक स्कार्पियो चल रही है, मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नाकाबंदी की और स्कार्पियो को रोका, जिसमें रेवंतराम, मुख्तियार और मोहम्मद शरीफ नाम के व्यक्ति सवार थे। इसके बाद, कंटेनर को रोककर उसकी तलाशी ली गई, जिसमें प्लास्टिक के 99 कट्टों में डोडा पोस्त भरा हुआ पाया गया।

सामूहिक विवाह स्वस्थ सामाजिक परम्परा है: बागड़े

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि सामूहिक विवाह भारतीय संस्कृति और सामाजिक मूल्यों का अनुपम उदाहरण है। बागड़े ने सोमवार को जयपुर जिले के फागी में आयोजित मीणा समाज सामूहिक विवाह समारोह में सम्मिलित होकर नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने इस अवसर पर नव विवाहित जोड़ों का आह्वान किया कि वे समाज में शिक्षा के अधिकाधिक प्रसार और कुरीतियों के निवारण के संवाहक बनें। बागड़े ने विवाह हो पवित्र बंधन बताया और कहा कि सामूहिक विवाह स्वस्थ सामाजिक परम्परा है। उन्होंने कहा कि विवाह दो लोगों को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से एक साथ बांधता है। उन्होंने कहा कि समाज में समानता, एकता और सहयोग की भावना को बल देने वाले सामूहिक विवाह दहेज प्रथा, फिजूलखर्ची और सामाजिक असमानता जैसी कुरीतियों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं। समारोह में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा भी उपस्थित रहे।

जयपुर के एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाने की फिर मिली धमकी, सुरक्षा बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के जयपुर शहर के प्रतिष्ठित सवाई मानसिंह स्टेडियम को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सोमवार को खेल परिषद के ईमेल पर एक संदिग्ध संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें लिखा था कि ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने के बाद अब सवाई मानसिंह स्टेडियम को बम से उड़ाया जाएगा। यह धमकी एक ऐसी स्थिति में आई है जब देशभर में सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंता का माहौल है, और विशेष रूप से जयपुर में सुरक्षा एजेंसियां किसी भी प्रकार के खतरे से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। धमकी के बाद त्वरित कार्रवाई

धमकी प्राप्त होते ही खेल परिषद के अधिकारियों ने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचित किया। इसके बाद पुलिस, क्यूआरटी (क्विक रिस्पांस टीम), बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की टीमों ने ड्व्चड स्टेडियम की ओर रुख किया। स्टेडियम को पूरी तरह से खाली कर दिया गया और उसकी गहन तलाशी ली गई।

पुलिस ने स्टेडियम के आसपास के इलाके और बिल्डिंग की भी सर्चिंग की, लेकिन अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से, ड्व्चड स्टेडियम को पूरी तरह से सील कर दिया गया है, और एंट्री पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई है। पुलिस विभाग इस धमकी के पीछे की शख्सियत की पहचान करने में जुटा है। साइबर टीम को भी इस मामले में अलर्ट किया गया है, ताकि ईमेल भेजने वाले के बारे में जल्द से जल्द जानकारी जुटाई जा सके। यह पहली बार नहीं है जब ड्व्चड स्टेडियम को धमकी मिली है। 8 मई को भी खेल परिषद के अधिकारियों को एक ऐसे ही ईमेल के जरिए धमकी मिली थी, जिसमें कहा गया था कि ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने के बाद अब ड्व्चड स्टेडियम को बम से उड़ाया जाएगा। उस दिन भी स्टेडियम और उसके आसपास के इलाकों की तलाशी ली गई थी, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली थी।

इसके अलावा, 9 मई को जयपुर मेट्रो स्टेशन और उसकी ट्रेनों को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। मेट्रो की ईमेल आईडी पर एक संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने के बाद मेट्रो को निशाना बनाने की बात की गई थी। इस धमकी के बाद मेट्रो स्टेशन और ट्रेन सेवाओं की सुरक्षा को भी बढ़ा दिया गया था, लेकिन जांच में भी कुछ नहीं पाया गया था।

हालांकि, इन धमकियों के अधिकांश मामलों में कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया, फिर भी इन घटनाओं से यह साफ हो गया है कि आतंकी और असमाजिक तत्वों द्वारा समाज में भय और असुरक्षा फैलाने की कोशिशें की जा रही हैं। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और फिर इसके बाद की धमकियां किसी बड़े आतंकी नेटवर्क की सक्रियता का संकेत हो सकती हैं। सुरक्षा बलों को इस प्रकार के खतरों से निपटने के लिए और भी अधिक सतर्क रहना होगा। जयपुर के स्टेडियम और अन्य प्रमुख स्थानों पर लगातार मिल रही धमकियों के कारण स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां अब और भी अधिक सतर्क हो गई हैं। आगामी दिनों में इन घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए सुरक्षा उपायों को और भी कड़ा किया जा सकता है।

श्रद्धांजलि

उप मुख्यमंत्री श्रीमती दीया कुमारी ने पाकिस्तानी हमले में वीरगति को प्राप्त हुए राजस्थान के वीर सपूत शहीद सुरेंद्र कुमार मोगा के मेहरादासी स्थित निवास पर श्रद्धांजलि अर्पित कर राष्ट्र के प्रति उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। साथ ही परिवारजनों से भेंट कर शोक-संवेदना व्यक्त की एवं परिवारजनों को संबल दिया।

कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से विदा ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के सफलतम टेस्ट कप्तान और पिछले एक दशक से भारतीय बल्लेबाजी की धुरी रहे विराट कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की जिससे टी20 के दौर में भी पारंपरिक क्रिकेट के संकटमोचकों में शुमार इस महान खिलाड़ी के इस प्रारूप में सुनहरे कैरियर पर विराम लग गया।

छत्तीस वर्षीय कोहली ने पिछले साल ही टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। अब वह सिर्फ एक दिवसीय क्रिकेट खेलेंगे। उन्होंने भारत के लिए 123 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 46.85 के औसत से 30 शतकों की मदद से 9230 रन बनाए हैं। जब टी20 क्रिकेट वैश्विक स्तर पर सुर्खियों में था, तब वह टेस्ट प्रारूप को बचाने की मुहिम में सबसे आगे थे।

कोहली ने स्वीकार किया कि यह फैसला करना आसान नहीं था जिससे खेल के लंबे प्रारूप में उनके भविष्य को लेकर अटकलों का दौर खत्म हो गया। अटकलों का दौर साल के शुरू में ऑस्ट्रेलिया के दौरे के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद शुरू हुआ।

कोहली ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर घोषणा की, ''मैं खेल के लिए, जिन लोगों के साथ मैदान में खेला और हर उस व्यक्ति के लिए दिल में आभार लेकर जा रहा हूं जिसने मुझे इस खेल के दौरान खेलते हुए देखा है।''

वर्ष 2011 में पदार्पण करने के बाद से कोहली ने भारत को इस प्रारूप में दुनिया की नंबर एक टीम बनाया और 2018-19 में ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक शृंखला जीत दिलाई। उनकी कप्तानी में भारत ने 68 में से 40 टेस्ट जीते और वह दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ, ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग और स्टीव वॉ के बाद सबसे सफल टेस्ट कप्तान रहे।

पिछले साल कैरेबियाई देश में भारत की टी20 विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बाद उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था जिससे अब वह सिर्फ वनडे में खेलेंगे। उन्होंने कहा, ''टेस्ट क्रिकेट में पहली बार 14 साल पहले 'बैगी ब्लू' पहनी थी। सच कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह प्रारूप मुझे किस सफर पर ले जाएगा। इसने मेरी परीक्षा ली, मुझे गढा और मुझे ऐसे सबक सिखाए, जिन्हें मैं जीवन भर अपने साथ रखूंगा।''

इस मेगास्टार का आखिरी टेस्ट ऑस्ट्रेलिया दौरा था जो काफी निराशाजनक रहा था जिसमें उन्होंने सिर्फ एक शतक बनाया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकियों को उनकी कल्पना से बड़ी सजा देने के वादे को पूरा किया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले में शामिल रहे आतंकवादियों को उनकी कल्पना से बड़ी सजा देने और उनके सुरक्षित ठिकानों को तबाह करने का अपना वादा पूरा किया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान ने ''नौ आतंकी ठिकानों, 11 हवाई अड्डों, 100 से अधिक आतंकवादियों, 50 सैनिकों और अपने सम्मान को खो दिया है''।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने संकल्प लिया था कि भारत आतंकवादियों को उनके घरों में घुसकर मारेगा और आतंकी ठिकानों को नष्ट कर देगा। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी के फैसले और हमारे सशस्त्र बलों के अदम्य साहस ने आतंकी ठिकानों को जमींदोज कर दिया है। यह मोदी का वादा था।'' पात्रा ने कहा कि छह-सात मई की रात शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' ने अपने शत प्रतिशत लक्ष्यों को हासिल किया है। उन्होंन इशारा किया कि प्रधानमंत्री ने पहलगाम हमले के बाद बिहार में एक जनसभा को संबोधित करते हुए संकल्प जताया था कि 22 अप्रैल को इस हमले में 26 नागरिकों की जान लेने वाले आतंकवादियों और उनके आकाओं को उनकी कल्पना से बड़ी सजा दी जाएगी।

पात्रा ने कहा कि इस अभियान के तहत भारत ने जिस तरह की सैन्य और गैर-सैन्य कार्रवाई की है, वह अभूतपूर्व है और इसने आतंकवाद के खिलाफ उसके युद्ध में एक निर्णायक संदेश दिया है। पात्रा ने दावा किया कि सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे इस्लामिक देशों ने भी इसका समर्थन किया है और पाकिस्तान वैश्विक स्तर पर अलग-थलग पड़ गया है। उन्होंने कहा कि भारत ने दिखा दिया है कि पड़ोसी देश का कोई भी हिस्सा उसकी पहुंच से परे नहीं है। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनने के बाद दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं के एक वर्ग द्वारा विदेश सचिव विक्रम मिसरी को सोशल मीडिया पर बुरी तरह 'ट्रोल' किए जाने के बारे में पूछे गए सवाल पर पात्रा ने कहा कि उनकी पार्टी इस अभियान से जुड़े सभी लोगों का सम्मान करती है, चाहे वे सशस्त्र बल हों या नौकरशाह। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया एक साधन है, लेकिन यह देश के लिए अपनी कार्रवाई तय करने का आधार नहीं हो सकता। मिसरी को उन्हें तथा उनके परिवार के सदस्यों को ट्रोल द्वारा निशाना बनाए जाने के बाद अपने 'एक्स' अकाउंट को प्राइवेट करने के लिए मजबूर होना पड़ा। पात्रा ने कहा कि भारत गर्व के साथ कह सकता है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने अपने लक्ष्य को शत प्रतिशत पूरा किया। उन्होंने सशस्त्र बलों की कार्रवाई के पीछे रही राष्ट्रीय एकता की भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत ने न केवल पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर 100 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया, बल्कि पाकिस्तानी प्रतिक्रिया के जवाब में की गई उसकी कार्रवाई में पड़ोसी देश के 11 एयरबेस नष्ट कर दिए गए। उन्होंने दावा किया कि इनमें से एक हवाई अड्डे पर हुए हमले में 50 से अधिक पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। उन्होंने कहा कि पहली बार किसी देश ने परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र के एयर बेस को नष्ट किया है। भाजपा नेता ने कहा कि भारत और पाकिस्तान सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए एक समझौते पर पहुंचे हैं, लेकिन भविष्य में आतंकी हमलों की स्थिति में भारत इस समझौते को तोड़ने के लिए स्वतंत्र होगा।

पात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने जैसे अभूतपूर्व फैसले लिए हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि भारत से बहने वाले पानी पर पाकिस्तान इस कदर आश्रित है कि पड़ोसी देश की जीडीपी और खेती बर्बाद हो जाएगी। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि किसी अन्य देश ने 23 मिनट की अवधि में आतंकवादियों और उनके ठिकानों को सटीक निशाना बनाकर हमले नहीं किए होंगे।

कुशीनगर जिले में 17 नवजात लड़कियों का नाम उनके परिजन ने 'सिंदूर' रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुशीनगर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले की निवासी अर्चना शाही के लिए अब 'सिंदूर' एक शब्द नहीं बल्कि एक भावना है, जिसके चलते उन्होंने और उनके परिवार के सदस्यों ने अपनी बेटी का नाम 'सिंदूर' रखने का फैसला किया।

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता से प्रेरित होकर और देशभक्ति की भावना के साथ, उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में 17 नवजात लड़कियों का नाम उनके परिजन ने 'सिंदूर' रखा है। बेटी को जन्म देने वाली अर्चना शाही ने कहा, पहलगाम हमले में कई महिलाओं ने अपने पति खो दिए। उसके बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। हम सभी को इस पर गर्व है। अब 'सिंदूर' एक शब्द नहीं बल्कि एक भावना है। इसीलिए हमने अपनी बेटी का नाम 'सिंदूर' रखने का फैसला किया।'' दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में लोकप्रिय पर्यटन शहर पहलगाम के पास बैंसरन में मंगलवार 22 अप्रैल की दोपहर को आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में 26 लोग मारे गए। इनमें ज्यादातर पर्यटक थे।

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में सात मई को तड़के ऑपरेशन सिंदूर शुरू कर नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया गया था। पाकिस्तानी हमलों का जवाब देने के लिए उसके बाद की सभी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरके शाही ने सोमवार को पीटीआई-भाषा को बताया, ''कुशीनगर मेडिकल कॉलेज में दो दिनों के अंतराल में जन्मी 17 नवजात लड़कियों का नाम उनके परिजन ने 'सिंदूर' रखा है।

आमजन से अधिक से अधिक संवाद लोकतंत्र की सफलता का मूल मंत्र: योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर, (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि आमजन से अधिक से अधिक संवाद लोकतंत्र की सफलता का मूल मंत्र है।

आदित्यनाथ सोमवार को यहां सिविल लाइंस क्षेत्र में बने नगरीय सेवा केंद्र (अर्बन फैसिलिटेशन सेंटर) और 'सीनियर सिटीजन डे केयर सेंटर' का लोकार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इन दोनों परियोजनाओं की कुल लागत 14.22 करोड़ रुपए है।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में संवाद के माध्यम से समस्याओं का निराकरण कर कारोबारी सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) और जीवन सुगमता (ईज ऑफ लिविंग) के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

आदित्यनाथ ने ज़ोर देकर कहा, हम जनता को अधिक से अधिक सुविधाएं दे सकें, आमजन से अधिक से अधिक संवाद कर सकें, यही लोकतंत्र की सफलता का मूल है। आदित्यनाथ ने कहा कि बदलते वैश्विक परिवेश में भारत विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने सिविल लाइंस में बने नगरीय सेवा केंद्र और 'सीनियर सिटीजन डे केयर सेंटर' के लिए नगर निगम की तारीफ करते हुए कहा कि जब लोगों को नई सुविधाओं से आच्छादित करते हैं तो व्यापारियों के लिए कारोबारी सुगमता और आमजन के लिए जीवन सुगमता बढ़ती है।

आदित्यनाथ ने नगर निगम को मानसून से पहले आगाह भी किया। उन्होंने कहा कि बरसात में कहीं भी जलजमाव न होने पाए, इसके लिए नगर निगम अभी से तैयारी शुरू कर दे और सभी नाले-नालियों की सफाई समय रहते कर ली जाए तथा प्लास्टिक पर प्रतिबंध को कड़ाई से लागू किया जाए।

अनुसंधान एवं विकास के प्रति कटिबद्धता किसी भी देश की प्रगति की रीढ़ है: काकोदकर

पुणे/भाषा। परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनिल काकोदकर ने विश्व के भविष्य को आकार देने में शिक्षा जगत की भूमिका की सराहना करते हुए कहा है कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति की रीढ़ अनुसंधान और विकास को लेकर उसकी प्रतिबद्धता है। वह हाल में मुम्बई स्थित रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईसीटी) में 'परमाणु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विकास के लिए उद्योग-अकादमी साझेदारी' विषयक सम्मेलन में अपना विचार रख रहे थे। मुंबई स्थित होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान (एचबीएनआई) के कुलाधिपति काकोदकर ने कहा, ''स्वतंत्र और मौलिक विचारों की खोज में अकादमिक समुदाय हमारे देश और विश्व के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब सरकारें दीर्घकालिक नीतियां और लक्ष्य निर्धारित करती हैं तो यह समुदाय उनके लिए एक मार्गदर्शक प्रकाशपुंज के रूप में कार्य करता है।''

त्रिपुरा में आधे से ज्यादा उपभोक्ता नहीं भरते बिजली बिल: अधिकारी

अगरतला/भाषा। 'त्रिपुरा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी कॉरपोरेशन लिमिटेड' (टीएसईसीएल) के कुल 9 लाख उपभोक्ताओं में से आधे से अधिक ने कई वर्षों से अपने बिजली बिल का भुगतान नहीं किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सिर्फ 4,32,045 उपभोक्ताओं ने टीएसईसीएल को अपने बिजली बिल का भुगतान किया है जिनमें से अधिकांश शहरी इलाकों से हैं। इसके कारण उपभोक्ताओं पर अब तक 475 करोड़ रुपए का बिजली बिल लंबित है।

अधिकारी ने बताया कि आदिवासी इलाकों में स्थिति ज्यादा खराब है जहां बार-बार अपील के बाद भी अधिकांश उपभोक्ता अपना बिजली बिल नहीं भरते हैं। इसके कारण ही इतनी अधिक रकम के बिजली बिल लंबित हैं। टीएसईसीएल के प्रबंध निदेशक विश्वजीत बोस ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''राज्य में 9,27,838 उपभोक्ता हैं। इनमें से सिर्फ 4,32,045 उपभोक्ता ही मासिक बिजली बिल भरते हैं जो कि लगभग 40 प्रतिशत है। हाल में बिजली बिलों की वसूली बढ़कर लगभग 45 प्रतिशत हो गई है।'' बोस के अनुसार, अगरतला समेत शहरी इलाकों में बिल भुगतान संतोषजनक है, लेकिन तुलशिकर, हेजमारा, मुंगियाकामी और जतनबारी जैसे आदिवासी बहुल इलाकों में स्थिति ज्यादा खराब है।

प्रेम प्रसंग में बाधा बनने पर की गई थी सौरभ की हत्या: पुलिस का आरोप पत्र

मेरठ (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में हुए सौरभ राजपूत हत्याकांड में पुलिस ने लगभग एक हजार पन्नों का आरोप पत्र सोमवार को अदालत में दाखिल किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, मेरठ जिले के ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र के इंदिरानगर निवासी मुस्कान रस्तोगी ने अपने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपूत की तीन मार्च को कथित रूप से हत्या कर दी थी। दोनों ने शव के चार टुकड़े कर उन्हें एक ड्रम में डालकर सीमेंट भर दिया था। वारदात के बाद दोनों हिमाचल प्रदेश चले गए थे। इस घटना ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सौरभ राजपूत की हत्या तंत्र-मंत्र के कारण नहीं, बल्कि प्रेम संबंध में बाधा बनने के कारण की गई थी। मुस्कान रस्तोगी को उसके प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ 19 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने बताया कि दोनों फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

भारत की विदेश नीति में कोई नरमी नहीं : मनमोहन सामल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल ने सोमवार को कहा कि भारत की विदेश नीति में कोई नरमी नहीं आई है और केंद्र सरकार कांग्रेस को उचित जवाब देगी, जिसने इस बारे में सवाल उठाए हैं।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार से सवाल किया है कि क्या उसने कश्मीर पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार किया है। इस संबंध में पूछे गए सवालों के जवाब में सामल ने यह टिप्पणी की।

सामल ने कहा, ''यह स्पष्ट है कि हम शिमला समझौते का पालन करते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए, इसमें कोई बदलाव नहीं है। हम विदेश मामलों पर कोई समझौता नहीं करेंगे।''

कांग्रेस ने सोमवार को केंद्र से यह स्पष्ट करने का आग्रह किया कि क्या केंद्र कश्मीर मुद्दे पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के लिए तैयार है। साथ ही चेतावनी दी कि ऐसा रुख शिमला समझौते का उल्लंघन हो सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हालिया बयानों में दावा किया था कि वह इस मामले में हस्तक्षेप कर रहे हैं। उनके बयानों का हवाला देते हुए कांग्रेस ने कहा कि इस मामले पर केंद्र सरकार की ओर से स्पष्टीकरण अपरिहार्य है।

हलगाम हमले की जवाबदेही तय होनी चाहिए, क्या गृह मंत्री इस्तीफा देंगे : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने भारत और पाकिस्तान के बीच अमेरिका की ''मध्यस्थता'' को लेकर सोमवार को एक बार फिर सवाल खड़े किए और कहा कि सरकार को यह बताना चाहिए कि क्या उसने द्विपक्षीय मामले में तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप स्वीकार कर लिया है?

पार्टी महासचिव भूपेश बघेल ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सरकार एवं प्रशासन के स्तर पर जवाबदेही तय करने की मांग भी की तथा सवाल किया कि क्या गृह मंत्री अमित शाह इस्तीफा देंगे? उन्होंने कहा कि सरकार को पूरे घटनाक्रम पर सर्वदलीय बैठक और संसद का विशेष सत्र बुलाकर स्थिति साफ करनी चाहिए तथा सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अवश्य शामिल होना चाहिए। बघेल ने कहा, ''पहलगाम आतंकी हमले के बाद हमारी वीर सेना ने संकल्प और साहस के साथ दुश्मनों को जिस तरह से मुंहतोड़ जवाब दिया, वह पूरे राष्ट्र के लिए गर्व का पल था। हमारे जवानों ने अनेक युद्धों में भारत की अखंडता की रक्षा की। 1971 के बाद इंदिरा गांधी ने दुनिया को दिखा दिया था कि भारत किसी के सामने झुकने वाला नहीं है। आज भी हमारी सेना उसी जज़्बे के साथ सीमा पर डटी हुई है। कांग्रेस पार्टी उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।'' उन्होंने कहा, ''जब भी देश पर संकट आया, कांग्रेस पार्टी ने राजनीति को पीछे रखा और देशहित को प्रथम स्थान दिया। 1965 में लाल बहादुर शास्त्री ने 'जय जवान-जय किसान' का नारा देकर देश को एक सूत्र में बांधा। 1971 में इंदिरा गांधी ने अमेरिका के दबाव को ठुकराकर पाकिस्तान को धूल चटा दी।'' बघेल ने कहा, आज भी हमारा वही संकल्प है।

अमेरिका में राम को पौराणिक व काल्पनिक बताने पर राहुल गांधी के खिलाफ परिवाद दाखिल

वाराणसी (उप्र)/भाषा। अमेरिका के एक विश्वविद्यालय में भगवान राम को कथित तौर पर पौराणिक और काल्पनिक बताए जाने को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ सोमवार को वाराणसी की एक अदालत में परिवाद दाखिल किया गया। इस परिवाद में कांग्रेस पार्टी को भी पक्षकार बनाया गया है। एक अधिवक्ता ने बताया कि अदालत ने इस मामले में सुनवाई के लिए 19 मई की तारीख तय की है। परिवाद दाखिल करने वाले अधिवक्ता हरिशंकर पांडेय ने दावा किया कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने अमेरिका के बोस्टन में ब्राउन यूनिवर्सिटी में 21 अप्रैल को भगवान राम को लेकर विवादित बयान दिया था, जिसकी जानकारी उन्हें स्थानीय अखबार से मिली पांडेय ने दावा किया कि गांधी ने बयान में भगवान राम को पौराणिक और उस युग की कहानियों को काल्पनिक बताया था। इस मामले को लेकर सोमवार को यहां सांसद-विधायक अदालत के अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नीरज कुमार त्रिपाठी की अदालत में परिवाद दाखिल किया गया है। पांडेय ने कहा कि गांधी ने यह कथित विवादित बयान सार्वजनिक मंच से दिया है, जिससे सनातनियों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय न्याय सहिंता में इस तरह के बयान को नफरती भाषण'' के तौर पर रखा गया है।

विराट कोहली : मौजूदा पीढी को टेस्ट क्रिकेट से प्यार करना सिखाया इस 'किंग' ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम दिल्ली के लड़के का 'स्वैग' लेकर भारतीय ड्रेसिंग रूम में दाखिल हुए विराट कोहली क्रिकेट को लेकर अपने असीम जुनून के चलते मौजूदा दौर के महानायक बनकर उभरे और ऐसे समय में पारंपरिक क्रिकेट से विदा ली जब उनके और खेलते रहने की उम्मीद की जा रही थी। विराट ने स्वीकार किया कि टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का फैसला आसान नहीं था लेकिन सही था। सवाल यह उठता है कि यह विचार उनके जेहन में पहली बार कब कौंधा ?

शायद ऑस्ट्रेलिया के खराब दौरे के बाद जहां उन्होंने पर्थ में दूसरी पारी में शतक के बाद सिर्फ 91 रन बनाये। स्विंग और उछाल को झेलने में उन्हें इतनी परेशानी हुई कि उनकी वापसी संभव नहीं लग रही थी। इसके बावजूद भारतीय क्रिकेट को इंग्लैंड दौरे पर उनकी जरूरत थी। शरीर से ज्यादा दिमाग की। लेकिन शायद वह पांच टेस्ट मैचों की एक और श्रृंखला खेलने के लिये तैयार नहीं थे। अपने सीनियर खिलाड़ियों के लिये गोल मटोल 'चीकू' से जूनियर खिलाड़ियों के 'भैया' तक 'किंग कोहली' ने लंबा सफर तय किया है और अपने कैरियर में काफी उतार चढाव भी देखे। 2006 में अठारह बरस के कोहली ने अपने पिता प्रेम कोहली के निधन की खबर सुनकर भी 90 रन बनाकर दिल्ली को फॉलोआन से बचाया और फिरोजशाह कोटला स्टेडियम से श्मशान घाट जाकर उनकी अंतिम संस्कार किया।

सचिन तेंदुलकर ने कोहली के साथ एक धागे के बंधन को याद किया

नई दिल्ली/भाषा। सचिन तेंदुलकर जब टेस्ट क्रिकेट से विदा ले रहे थे तब विराट कोहली को उनका वारिस माना जा रहा था और सोमवार को जब कोहली ने इस प्रारूप को अलविदा कहा तो 'मास्टर ब्लास्टर' ने उनके बीच एक धागे के बंधन को याद किया। बारह साल पहले तेंदुलकर मुंबई में अपना आखिरी टेस्ट खेल रहे थे जब 24 वर्ष के कोहली अपने आदर्श क्रिकेटर के पास आये। कोहली ने उस समय टेस्ट कैरियर में शुरूआती कदम ही रखे थे।

तेंदुलकर ने कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद एक्स पर पोस्ट में लिखा, '' तुमने मुझे तुम्हारे दिवंगत पिता से मिला धागा तोहफे में दिया था। यह मेरे लिये काफी निजी चीज थी लेकिन तुम्हारी भावना ने मुझे छू लिया और आज तक उसे भूल नहीं पाया हूं।'' उन्होंने कहा, '' मेरे पास बदले में देने के लिये धागा नहीं है लेकिन मेरी प्रशंसा और शुभकामनायें तुम्हारे साथ हैं। तुम्हारी असल विरासत असंख्य युवा क्रिकेटरों को खेल को चुनने के लिये प्रेरित करना रही है।'' कोहली के पिता का उस समय निधन हो गया था जब उनकी उम्र बहुत कम थी। तेंदुलकर के प्रति कोहली का सम्मान किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने 2011 विश्व कप में खिताबी जीत के बाद मैदान का चक्कर लगाते समय उन्हें कंधे पर बिठाया था। इसके बाद उन्होंने कहा था, '' सचिन तेंदुलकर ने 21 साल तक पूरे देश की अपेक्षाओं का बोझ उठाया और अब हमारी बारी है कि उन्हें कंधे पर बिठायें।''

गौतम गंभीर के दौर की शुरूआत, जब कोच भारतीय ड्रेसिंग रूम में सबसे ताकतवर शख्स बना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ग्रेग चैपल ने जब अपनी ताकत दिखानी चाही तो उन्हें पद छोड़ना पड़ा, अनिल कुंबले टीम के 'सुपरस्टार कल्चर' से परेशान होकर गए लेकिन लगता है कि गौतम गंभीर भारतीय क्रिकेट के वह बिरले मुख्य कोच हैं जिनके पास कप्तान से ज्यादा ताकत है।

भारतीय क्रिकेट में ऐसे असंख्य उदाहरण हैं जब खिलाड़ियों की ताकत के सामने मजबूत कोचों को पीछे हटना पड़ा। बिशन सिंह बेदी, चैपल और कुंबले खुद चैम्पियन खिलाड़ी रहे हैं लेकिन उन्होंने सोचा भी नहीं होगा कि उन्हें कप्तान के सहायक की भूमिका निभानी पड़ेगी। जॉन राइट, गैरी कर्स्टन और रवि शास्त्री को यह पता था और वे काफी सफल रहे।

विराट कोहली, रविचंद्रन अश्विन और रोहित शर्मा के संन्यास के बाद टेस्ट टीम में अब बड़े सितारे नहीं बचे हैं जिससे गंभीर को क्रिकेट की बिसात पर अपने मोहरे खुलकर चलने का मौका मिलेगा।

बीसीसीआई के सूत्रों की मानें तो गंभीर पहले से तय करके आये थे कि टीम में 'स्टार कल्चर' खत्म करना है। सूत्र ने कहा, '' गौतम गंभीर युग की शुरूआत अब हुई है। उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के नये चक्र में भारत को नये चेहरे चाहिये।'' उन्होंने कहा, '' टीम प्रबंधन में सभी को पता था कि टेस्ट प्रारूप में सीनियर खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर गंभीर क्या सोचते हैं। मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर भी उनसे इत्तेफाक रखते थे।'' भारतीय क्रिकेट में कप्तान हमेशा से सबसे मजबूत शख्स रहा है। सौरव गांगुली, महेंद्र सिंह धोनी, कोहली और रोहित सभी की टीम चयन में निर्णायक भूमिका रही है। लेकिन गंभीर के दौर में ऐसा नहीं है। राहुल द्रविड़ और रोहित शर्मा की जोड़ी संक्षिप्त लेकिन प्रभावी रही। वहीं रोहित और गंभीर की जोड़ी कभी सहज नहीं दिखी। पहली बार मेगा सितारों की रवानगी में कोच की अहम भूमिका रही लेकिन फिर यह ताकत दुधारी तलवार भी है। समझा जाता है कि भारतीय क्रिकेट के बदलाव के इस दौर में गंभीर चाहते थे कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी और न्यूजीलैंड श्रृंखला जैसी विफलता के दोहराव से बचने के लिये उन्हें पूरी ताकत दी जाये।

शुभमन गिल के रूप में उनके पास युवा कप्तान है जो उनकी सुनेगा। गिल स्टार हैं लेकिन उनका वह दर्जा नहीं है कि गंभीर के फैसलों और रणनीतियों पर सवाल उठा सके।

एक ही खिलाड़ी उस कद का है और वह है जसप्रीत बुमराह लेकिन फिटनेस के खराब रिकॉर्ड के कारण उनका कप्तान बनना संभव नहीं।

सुविचार

एक अशिक्षित व्यक्ति का जीवन कुत्ते की पूंछ की तरह बेकार है जो न तो उसके पिछले सिरे को ढकती है और न ही कीड़ों के काटने से बचाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नए जोश का संचार

'ऑपरेशन सिंदूर' की शानदार कामयाबी के चर्चे दुनियाभर में हो रहे हैं। हमारे सशस्त्र बलों के शौर्य, पराक्रम, शक्ति और सामर्थ्य ने पाकिस्तान के आतंकी अड्डों तथा फौजी ठिकानों के परखच्चे उड़ा दिए। इस ऑपरेशन ने देशवासियों में नए जोश का संचार कर दिया। यह भारत के सशस्त्र बलों की जीत तो है ही, हमारी वैज्ञानिक शक्ति की जीत भी है। पहलगाम की घटना के बाद भारत सरकार ने जो फैसले लिए, उनके साथ कुछ ऐसे बिंदु जुड़े हुए हैं, जिससे देश की साख और धाक में बढ़ोतरी हुई है। जिस समय हमारी मिसाइलें पाकिस्तान और पीओके में आतंकी अड्डों पर कहर बनकर टूट रही थीं, आसमान से कुछ 'आंखें' हर घटना पर लगातार नजर रख रही थीं। 'ऑपरेशन सिंदूर' को इतना कामयाब बनाने में इसरो का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। जो लोग इसके विभिन्न अभियानों के बारे में यह कहते हुए सवाल उठाते थे कि 'इससे देशवासियों का कौनसा भला हो जाएगा', उन्हें पता होना चाहिए कि भारत के उपग्रह पल-पल की खबरें सशस्त्र बलों को भेज रहे थे। इससे आतंकी अड्डों को तबाह करने और दुश्मन के पलटवार को नाकाम करने में मदद मिली। डीआरडीओ समेत अन्य वैज्ञानिक एवं रक्षा शोध संस्थानों ने तिरंगे का मान बढ़ा दिया। 'ऑपरेशन सिंदूर' में हमारे हथियारों का 'सही जगह' परीक्षण हो गया है। हमारी वायु रक्षा प्रणालियों ने अद्भुत काम किया है। हमारे ड्रोन्स ने दुश्मन के घर में घुसकर एक तरह से लंकादहन कर दिया। हमें इन्हें अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में मित्र देशों के लिए पेश करना चाहिए। भारत को हथियारों और रक्षा प्रणालियों का प्रमुख निर्यातक देश बनने की ओर कदम बढ़ाना चाहिए।

हमारी सैन्य शक्ति के प्रदर्शन से पहले जिस तरह पूरे देश में पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान की गई और उन्हें बाहर निकाला गया, उससे आश्चर्य भी हुआ। भारत में इतने पाकिस्तानी वर्षों से रह रहे थे! यह अभियान धीमा नहीं पड़ना चाहिए। अन्य देशों के जो भी लोग यहां अवैध तरीके से रह रहे हैं, अब उनकी पहचान कर उन्हें स्वदेश रवाना करें। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने पाकिस्तान के परमाणु बम की धमकियों को ध्वस्त कर दिया। रावलपिंडी के जनरल बड़ी-बड़ी बातें करते रह गए और भारत ने कार्रवाई कर दी। पाकिस्तान के पास परमाणु बम होना किसी बंदर के हाथ में उस्तरा होने जैसा है। भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह मुद्दा उठाना चाहिए कि पाकिस्तान परमाणु हथियारों के मामले में जिम्मेदार देश नहीं है। इससे ये हथियार छीने जाने चाहिएं। उरी, पुलवामा और पहलगाम की घटनाओं के बाद दुनिया समझ चुकी है कि अब भारत बर्दाश्त नहीं करेगा। वे दिन गए, जब पाकिस्तान के आतंकवादी हमारे देशवासियों का खून बहाकर सुकून की नींद सोते थे। अब ऐसी हिमाकत उनके आकाओं को बहुत महंगी पड़ेगी। कोई आतंकवादी यह सोचकर खुद को सुरक्षित न समझे कि उसने वर्षों पहले किसी घटना को अंजाम दिया था तो अब उसका कुछ नहीं बिगड़ेगा। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने आईसी 814 के गुनहगारों तक का हिसाब कर दिया। उन्होंने अपने ख्वाबों में नहीं सोचा होगा कि भारतीय मिसाइलें उन पर बिजली बनकर गिरेंगी। इस कार्रवाई के बाद हाफिज सईद, जकीउर्रहमान लखवी, मसूद अजहर जैसे आतंकवादी अपने अड्डे बदलेंगे। वे आराम करने की जगह को लेकर बहुत सावधानी बरतेंगे, क्योंकि उन्हें डर होगा कि भारत मिसाइल या ड्रोन से उनका खात्मा कर सकता है। ये आतंकवादी अब 'अधिक सुरक्षित' जगहों की ओर भागेंगे। इससे हमारी खुफिया एजेंसियों पर एक और जिम्मेदारी आ गई है। उन्हें इन आतंकवादियों की आवाजाही और नए अड्डों पर नजरें रखनी होंगी। भारत के ये दुश्मन भी उचित समय पर मारे जाएंगे। आतंकवाद का 'संपूर्ण विनाश' हमारा राष्ट्रीय संकल्प है।

ट्वीटर टॉक

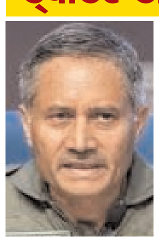

हमारी लड़ाई आतंकवाद और आतंकवादियों के खिलाफ थी, इसलिए 7 मई को हमने केवल आतंकवादी ठिकानों पर ही हमला किया था। अफसोस इस बात का है कि पाकिस्तानी सेना ने आतंकवादियों का साथ देना उचित समझा और इस लड़ाई को अपनी लड़ाई बना ली।

- ए.के. भारती

भगवान बुद्ध की भूमि है भारत ये हमारे प्रधानमंत्री जी का वाक्य है और अक्षरश: भारत की भावना भी यही है। मोदी जी के नेतृत्व में हमने सदैव शांति को प्राथमिकता दी है और उन्हें भी बहुत सटीक योजना से शांति सिखाई है जिन्हें अराजकता और आतंक की आदत है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

सवाई माधोपुर के रणथंभौर में बाघ द्वारा किए गए हमले में फॉरेस्ट रेंजर श्री देवेंद्र चौधरी जी का निधन अत्यंत दु:खद एवं हृदयविदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को यह वज्रपात सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

निर्विकल्प बोध

महर्षि उद्दालक निर्विकल्प समाधि में प्रवेश करने के लिए अत्यंत उत्सुक थे, किंतु वे उसमें प्रवेश नहीं कर सके, क्योंकि निर्विकल्प समाधि प्रयास से नहीं, अप्रयास से प्राप्त होती है। वे उसे पाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे थे, यानी विपरीत दिशा में जा रहे थे। प्रयत्न करते-करते वे थक गए। तब उन्होंने शरीर त्यागने के लिए अनशन करने का निश्चय किया और एक वृक्ष के नीचे बैठ गए। उसी वृक्ष पर बैठे एक तोते ने महर्षि से पूछा, 'ऋषिवर! आप यह क्या कर रहे हैं?' महर्षि ने उत्तर दिया, 'शरीर छोड़ने के लिए अनशन कर रहा हूं।' तोता बोला, 'जो स्वयं छूटने वाला है, उसे आप क्या छोड़ेंगे? जो नश्वर है, उसे आप क्या मारेंगे? आपका शौर्य तो तब प्रकट होगा जब आप अमृत के द्वारा मृत्यु पर विजय प्राप्त करें।' तोते के इन वचनों से महर्षि की आंखें खुल गईं। उन्होंने अमृततत्त्व की ओर ध्यान केंद्रित किया और निर्विकल्प समाधि की दिशा में अग्रसर हो गए।

सामयिक

पराक्रम के विजयोत्सव क्षण को झूठे नैरेटिव में न गंवाएं

अवधेश कुमार
मोबाइल : 9811027208

भारत-पाकिस्तान के बीच सैनिक संघर्ष रुकने पर हम देश की प्रतिक्रिया देखें तो बड़ा वर्ग, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मोदी सरकार और भाजपा के समर्थक कार्यकर्ता शामिल हैं नाखुश दिखाई देते हैं। इन्हें लगता है कि भारत के पास पाकिस्तान को धूल चटाकर, ऐसा पंगु बना देने का अवसर था जिससे वह लंबे समय तक भारत को घाव देने की सोचे भी नहीं। दूसरी ओर ऐसे लोग भी हैं जिन्हें लगता है कि भारत इस समय लंबे युद्ध कर पाकिस्तान को पराजित करने की लड़ाई नहीं लड़ रहा था। इसलिए तत्काल लंबा खींचना उचित नहीं था होता। प्रश्न है कि सैन्य टकराव रुकने को किस तरह देखा जाए?

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले में धर्म पूछ कर मारे गए 25 एवं एक अन्य की हत्या के बाद अतीत का चरित्र त्याग कर पाक सीमा में स्थित नौ सभी महत्वपूर्ण आतंकवादी केन्द्रों को ध्वस्त किया और तत्काल यहीउद्देश्य था। इस तरह भारत ने सीमा पार आतंकवाद के विरुद्ध बदले हुए चरित्र वाले राष्ट्र का प्रमाण पेश किया। जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ट्वीट आया कि लंबी बातचीत के बाद दोनों पक्षों ने सीजफायर यानी युद्धविराम स्वीकार किया टीवी चैनलों पर बैठे पूर्व सैनिकों और विशेषज्ञों को भी हैरत हुआ। उसके बाद अमेरिका के विदेश मंत्री मार्क रुबियो का ट्वीट आ गया जिससे जानकारी मिली कि उपराष्ट्रपति जेडी बैंस लगातार दोनों देशों से बातचीत कर रहे थे। लेकिन भारत ने 5 बजे विदेश सचिव विक्रम मिश्री के माध्यम से इसकी घोषणा करवाई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसके लिए स्टॉपेज आफ फायरिंग एंड मिलट्री एक्शन यानी गोलाबारी तथा सैन्य कार्रवाई के रुकने पर सहमति की बात की। भारत ने सीजफायर या युद्धविराम शब्द प्रयोग नहीं किया। यह शब्द पहले अमेरिका की ओर से आया और पाकिस्तान ने उपयोग किया। पाकिस्तान के साथ हमारा युद्धविराम समझौता पहले से है जिसे वह तोड़ रहा था। चाहे आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त करना हो या पाकिस्तान को सैन्य कार्रवाई से उत्तर देश और विश्व को दी जाने वाली जानकारी में नए रूप में भारत सामने आया है। 7 अप्रैल को आतंकवादी अड्डे ध्वस्त किए जाने के बाद सेना की दो महिला जवान कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह भारत की प्रवक्ता के रूप में सामने आईं और साथ विक्रम मिश्री आते रहे। संघर्ष रुकने के बारे में भी उनके माध्यम से ही देश ने अपना पक्ष सुना। हालांकि भारत जैसे परिपक्व और भविष्य की महाशक्ति की योजना से आगे बढ़ने वाला देश कोई हल्का वक्तव्य नहीं दे सकता। कर्नल सोफिया कुरैशी ने जो कहा उससे भारत का रक्षा स्टैंड काफी हद तक स्पष्ट होता है। उनकी कुछ पंक्तियां देखिए- फिर से बात दोहराना चाहूंगी कि इंडियन आर्म्ड फोर्सेस पूरी तरह तैयार और सतर्क हैं। भारत की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। कमोडोर नायर ने कहा कि भारत की सेनाएं पूरी तरह सतर्क और तैयार हैं। अगर फिर हमला हुआ, तो हम मुंहतोड़ जवाब देंगे। 11 मई को सेना के तीनों अंगों के डीजीएमओ ने पत्रकार वार्ता में स्पष्ट कर दिया कि अभी हम युद्ध की स्थिति में हैं और पूरी जानकारी देना उचित नहीं होगा। इसका अर्थ हुआ कि सेना अभी जहां जैसे थी वैसे रहेगी। पाकिस्तान ने आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त करने को अपने पर हमला मानकर कार्रवाई किया था और भारत को उसका उत्तर देना पड़ा।

भारत दीर्घकालीन युद्ध की सोच से पाकिस्तान की सीमा में आतंकवादी केन्द्रों को ध्वस्त करने नहीं गया था। देश में वातावरण इस कारण बना क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने जैसा पराक्रम दिखाया है उसको तार्किक परिणति या निर्णायक अवस्था में ले जाने की सामूहिक अपेक्षा पैदा हो गई। हालांकि पहलगाम आतंकी हमले के पहले किसी ने नहीं कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर के लिए हमला करिए या पाकिस्तान पर हमला करिए। जो विपक्षी दल आतंकवादी हमले पर सीमा पार करने से बचते रहे क्योंकि पाकिस्तान की प्रतिक्रियाओं से डरते थे वह भी सामूहिक रूप से सरकार पर प्रहार कर रहे हैं। प्रश्न है कि क्या सर्वदलीय बैठक में सभी दलों ने सरकार से पाक अधिकृत कश्मीर लेने या पाकिस्तान से अंतिम सीमा तक युद्ध करने की मांग की थी? क्या सरकार ने ऐसी कोई बात कही थी? यह दुर्भाग्य है कि पाकिस्तान और आतंकवादी के विरुद्ध इतनी बड़ी विजय और सफलता को भुलाकर जो है नहीं उसकी झूठी नैरेटिव बना दी गई है। ठीक है कि अमेरिकी राष्ट्रपति यदि लिखें कि हमारी मध्यस्थता में रातभर चली लंबी बातचीत के बाद मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान तुरंत और पूरी तरह हमले रोकने के लिए तैयार हो गए हैं तो भारत में चिंता स्वाभाविक होगी। डोनाल्ड ट्रंप टकराव रोकने के लिए भारत या पाकिस्तान से बात करते हैं तो यह नहीं कहा जा सकता कि हम आपसे बात नहीं करेंगे। कश्मीर पर यह स्टैंड रहेगा है। उनको हम कुछ पोस्ट करने से नहीं रोक सकते। ज्यादा मायने इस बात की है कि भारत का स्टैंड क्या है? भारत ने स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान के साथ सामान्य डीजीएमओ की नियमित होने वाली सामान्य वार्ता ही होगी। दूसरे ,भारत ने किसी की मध्यस्थता स्वीकारने की बात की ही नहीं। ट्रंप या अमेरिका की कश्मीर पर मध्यस्थता करने की इच्छा हो सकती है कि लेकिन भारत की यह नीति नहीं है। तीसरे, जब भारत ने स्पष्ट कर दिया कि कोई भी आतंकवादी घटना एक्ट आफ वार यानी युद्ध का कदम माना जाएगा तो उसमें राजनीतिक नेतृत्व से बातचीत की गुंजाइश बचती नहीं है। इसका अर्थ हुआ कि अगर आतंकवादी हमला हुआ तो अभी हम केवल आतंकवादी केन्द्रों को निशाना बनाने के लिए मिसाइल के साथ घुसे उसके बाद हमला मानकर पाकिस्तान से सीधे टकराएंगे। इससे स्पष्ट मुखर और आक्रामक नीति तथा वक्तव्य कुछ हो ही नहीं सकता। इस बार सैन्य करवाई से संबंधित सभी निर्णयों में राजनीतिक नेतृत्व के साथ सेना के तीनों प्रमुखों और सीडीएस सम्मिलित रहे। संघर्ष रोकने की घोषणा के पहले भी प्रधानमंत्री ने उनके साथ बैठकें की और सैन्य बलों ने क्या किया क्यों किया कैसे किया क्या सोचती है और क्या करेगी इन सबके बारे में वक्तव्य भी सेना के द्वारा दिया गया। यही बदले भारत का दिखाता है और देश को इस पर विश्वास करना चाहिए।

जो नेतृत्व पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान की सीमा में सटीक मिसाइलें दाग कर आतंकवादी केन्द्रों को ध्वस्त करता है , जिसकी पाकिस्तान क्या अमेरिका कल्पना नहीं कर सकता था वह विश्वासघाती और उन्मादी मजहबी सोच के आधार पर विदेश और सैन्य नीति चलाने वाले देश के साथ बातचीत फिर घाव देने का अवसर देगा ऐसी कल्पना नहीं की जानी चाहिए। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहवाज शरीफ ने ही अपने भाषण में कहा कि जम्मू-कश्मीर एक मुसलमा तनाजा था, है और उस वक्त तक रहेगा, जब तक कश्मीरी भाइयों को उनका हक नहीं मिल जाता। हम लश्कर बनकर दुश्मन का मुकाबला करेंगे और दुश्मन को शिकस्त देंगे। जिन आतंकी स्थलों को निशाना बनाया गया, उनमें से पांच पाक अधिकृत कश्मीर में 9 से 30 किलोमीटर के बीच और चार पाकिस्तान में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार 6 से 100 किलोमीटर के भीतर थे।

पाकिस्तान में कोई कल्पना नहीं कर सकता था कि मिसाइलें पंजाब की सीमा में घुसकर बहावलपुर में मसूद अजहर के जैश ए मोहम्मद के किले को ध्वस्त कर इस स्थिति में पहुंचा देंगी कि भारत को इस्लामी देश बनाने ,अयोध्या में बाबरी मस्जिद बनाने की घोषणा करने वाला मसूऐ फुट-फुट कर रोएगा कि मैं क्यों नहीं मर गया? मुंबई से लेकर अनेक हमलों केन्द्र लश्कर ए तैयबा के मुरीदके को नष्ट करने की सोच भी सीमा पर नहीं थी। करवाई कितनी बड़ी थी इसको ऐसे देखिए कि हथियारों में राफेल से लॉन्च की गई स्कैल्प क्रूज मिसाइलें और हैमर स्मार्ट हथियार, गाइडेड बम किट, एक्सकैलिबर गोला-बारूद के साथ एम 777 हॉवित्जर और लोइटरिंग गोला-बारूद (उर्फ कामिकेज़ ड्रोन) आदि शामिल थे। नेतृत्व को अंदाजा था कि भले हम आतंकवाद भी अड्डे मानकर कार्रवाई करेंगे, पाकिस्तान की सेना और पूरी सत्ता ने अपना अंग मानकर विकसित और संरक्षित किया है इसलिए चोट उसे लगेगी और वह प्रतिक्रिया में कार्रवाई करेगा।

इसकी पूरी तैयारी थी और इस कारण पाकिस्तान से हवाई हमलों को बेअसर करने के लिए कई तरह की वायु रक्षा प्रणालियों को तैनात किया गया। इनमें एस-400 ट्रायम्फ वायु रक्षा प्रणाली, स्वदेशी आकाश सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, बराक 8 वायु रक्षा प्रणाली, कई तरह की ड्रोन रोधी प्रणालियाँ और अन्य जवाबी उपाय। तो विजय उत्सव के क्षण को झूठे नैरेटिव में न गंवाएं।

नजरिया

शानदार जीत से भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति बना

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर जारी तनाव एवं युद्ध की स्थितियों के बीच भारत ने बड़ा ऐलान करते हुए सीज फायर लागू किया। चार दिन चले सैन्य संघर्ष में परिस्थितियां और भी ज्यादा नाजुक हो गई थीं एवं पाकिस्तान की भारी तबाही हुई। दोनों परमाणु सम्पन्न देशों के बीच के बढ़ते तनाव के बीच समझौते के बाद भले ही पाकिस्तान के विनाश का सिलसिला थम गया हो, लेकिन उसकी एक भूल भारी का सबब बन सकता है। क्योंकि भारत ने यह बड़ा फैसले लेते हुए कहा था कि भविष्य में उसकी जमीन पर किसी भी आतंकवादी हमले को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसकी गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। पाकिस्तान की फितरत को देखते हुए भारत सरकार एवं भारतीय सेना अधिक चौकस, सावधान एवं सतर्क रहते हुए संघर्ष-विराम के लिये यदि सहमत हुई है तो उसका स्वागत होना चाहिए। जब भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाकर कड़ा संदेश दे दिया तो संघर्ष विराम को एक समझदारी भरा फैसला ही माना जायेगा। यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर, विनाशकारी एवं विध्वसंक होगा। शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज़ फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है। तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

पाकिस्तान को परमाणु ठिकानों पर हमले का डर सता रहा था, भय एवं डर की इन स्थितियों के बीच पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सहयोग मांगा एवं युद्ध विराम के लिये अपनी सहमति दी, भारत ने अपनी शर्तों पर, पाकिस्तान को झटका देने के बाद इस सीज फायर पर सहमति जताई है तो यह भारत का बडप्पन है, उसकी बड़ी सोच का ही परिचायक है और भारत की कूटनीतिक जीत है। एक बार फिर पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाई गयी है। दुनिया ने भी भारत की सैन्य पराक्रम एवं स्वदेशी हथियारों की ताकत को देखा और समझा है। एक बानगी भर में जब पाकिस्तान ने पुंछ और राजौरी समेत रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया तो जवाबी कार्रवाई करते हुए भारतीय सेना ने भी पाकिस्तानी सेना के कई महत्वपूर्ण अड्डों को तबाह कर दिया। सेना ने रावलपिंडी समेत पाक सेना के 4 एयरबेस नष्ट कर दिए। पाकिस्तान की फतेह मिसाइल को हवा में ही खत्म कर दिया गया। लाहोर एवं करांची सहित पाकिस्तान में अनेक स्थानों पर भारी तबाही से सहम गये पाकिस्तान ने घुटने टेक दिये। भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम की धज्जियां उड़ाकर जिस तरह उसके प्रमुख एयरबेस ध्वस्त किए, उसके बाद उसके सामने और अधिक तबाही एवं शर्मिंदगी झेलने के अलावा और कोई चारा नहीं रह गया था।

यह ठीक है कि सैन्य टकराव रोकने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की, लेकिन इसका मूल कारण तो भारत का यह संकल्प रहा कि इस बार पाकिस्तान को छोड़ना नहीं है। भारत ने संघर्ष विराम केवल सैन्य टकराव रोकने तक सीमित रखकर कूटनीति एवं राजनीतिक परिपक्वता का ही परिचय दिया है। भारत ने पाकिस्तान को सही रास्ते पर लाने के लिए उसके खिलाफ सिंधु जल समझौते स्थगित करने जैसे जो कठोर फैसले लिए, वे यथावत रहेंगे। ये रहने भी चाहिए, क्योंकि धोखा देना एवं अपनी बात से बदलना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। इस पर यकीन के साथ कुछ कहना कठिन है कि अब वह भारत में आतंक फैलाने से बाज आएगा। उसने और खासकर उसकी सेना ने भारत के प्रति जो नफरत पाल रखी है, उसके दूर होने में संदेह है। भारतीय नेतृत्व को पाकिस्तान के प्रति अपने संदेह से तब तक मुक्त नहीं होना चाहिए, जब तक वह आतंक से तौबा नहीं करता और कश्मीर राग अलापना बंद नहीं करता।

सीजफायर की कहानी 9-10 मई की रात से शुरू होती है, जब पाकिस्तान पर करारा पलटवार करते हुए भारतीय वायुसेना ने पाक सैन्य ठिकानों पर ब्रह्मोस-ए क्रूज मिसाइल दाग दी। इस दौरान रावलपिंडी के नूरखान, चकलाला और पंजाब के सरगोधा एयरबेस को निशाना बनाया गया। यह हमला रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के बेहद करीब हुआ। इसके बाद पीओके में जकोबाबाद, भोलारी और स्कार्दू एयरबेस को भी तबाह किया गया। भारत के द्वारा पाकिस्तानी एयरबेस पर हमले से बौखलाए पाक को अगला निशाना उनके परमाणु कमांड और कंट्रोल इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने का डर सताने लगा। ऐसे में पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी। अमेरिका पहले से दोनों देशों के संपर्क में था। मगर, परमाणु की बात सुनकर अमेरिका भी हड़बड़ी में आ गया।

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल एवं सैन्य मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ऑपरेशन-सिंदूर' की कामयाबी से बौखलाए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज़ फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज़ फायर पर सहमति जतायी। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा।

पाकिस्तान का यह आरोप बेबुनियाद है कि तनाव की शुरुआत भारत ने की। भारत ने पाकिस्तानी सेना के ठिकानों को अभी तक निशाना नहीं बनाया है। दरअसल, आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान लंबे अरसे से दुनिया को गुमराह करता आया है। ताजा मामले में भी वह झूठ फैला रहा है कि भारत की स्ट्राइक उसके धार्मिक स्थलों पर हुई और इसमें आतंकी नहीं, आम नागरिक मारे गए हैं। यह झूठ दरअसल उसी साजिश का हिस्सा है, जिसके तहत आतंकियों ने टारगेटेड किलिंग करके भारत में सांप्रदायिक तनाव फैलाने का प्रयास किया था। सच्चाई तो यह है कि धर्म को आतंक से पाकिस्तान ने जोड़ा है। आतंकवादियों को पालना-पोसना और उनके जरिये छद्म युद्ध लड़ना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है, लेकिन इस बार वह जिस तरह आम लोगों का इस्तेमाल ढाल की तरह कर रहा है, वह निंदनीय एवं शर्मनाक होने के साथ-साथ चिंताजनक भी है। इससे उसकी हताशा झलकती है।

भारत का मकसद आतंकवाद का खात्मा है, युद्ध नहीं है। प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है। भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है। आधुनिक तकनीक व मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र के बूते भारत पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों व प्रतिरक्षा प्रणाली को करारी चोट देने में सफल हुआ। पाक को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। वहीं उसके मित्र तुर्की व चीन द्वारा दिए गए हथियारों, ड्रोन व प्रतिरक्षा प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने नेस्तनाबूद कर दिया।

हमने दुनिया को बताया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। पाकिस्तान के पास विकल्प बहुत ज्यादा नहीं हैं। उसकी अर्थव्यवस्था इस संघर्ष को लंबा झेल पाने में असमर्थ है, युद्ध को तो वह भूल ही जाए। इसके बाद भी अगर वह दुस्साहस करने की सोच रहा है, तो यह जरूरी हो जाता है कि उस तक पहुंचने वाली मदद को भी रोका जाए। उसे आईएमएफ से नए राहत पैकेज का इंतजार है और भारत सरकार इसका विरोध करेगी। दुनिया को समझ लेना चाहिए कि पाकिस्तान को मिलने वाली कोई भी मदद आखिरकार आतंक फैलाने में ही इस्तेमाल होगी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अभिसार वाघमारेः उम्मीद की रोशनी से हासिल की अंधेरे पर जीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अभिसार वाघमारे एक ऐसा नाम है, जो उम्मीद की रोशनी से अंधेरे पर जीत का पर्याय बन चुका है। उन्होंने अपनी मेहनत, योग्यता, प्रेरणा और लगातार कोशिशों से यह उपलब्धि हासिल की है। जब उनकी उम्र 17 साल थी, तब नागपुर के रामटेक में एक बाइक हादसे ने ज़िंदगी की दिशा ही बदल दी। इलाज के दौरान म्यूकोर्मिकोसिस नामक संक्रमण के कारण उनकी आंखों की रोशनी चली गई।

अभिसार के लिए यह बहुत बड़ी चुनौती थी। उस दौरान कुछ लोगों की टिप्पणियों से उन्हें दुःख भी हुआ, लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय अडिग रहने का फैसला किया। वे उम्मीद की रोशनी के दम पर अंधेरे को चुनौती देते हुए आगे बढ़ते रहे। उन्होंने इंजीनियर बनने के सपने को कभी नहीं छोड़ा।

अभिसार ने पाया कि असली ताकत भीतर से आती है। सफल होने की चाहत और सीमाओं से न बंधे रहने की जिद ने उन्हें आज का अभिसार बना दिया। उन्होंने पढ़ाई के नए तरीके खोजे, तकनीक और समाधान की क्षमता का उपयोग करके हर बाधा को पार किया। जब अभिसार ने अपनी इंजीनियरिंग की डिग्री माता-पिता के हाथों में रखी, तो उनकी आंखों में खुशी के साथ गर्व के आंसू थे। उनके बेटे का संघर्ष सिर्फ डिग्री के लिए नहीं, बल्कि अपनी गरिमा के लिए भी था। अभिसार ने साबित कर दिया कि कोई भी बाधा हमारे मनोबल से बड़ी नहीं होती है।

डिजिटल परामर्श कंपनी पब्लिसिस सैपिएंट ने अभिसार के आशावाद, जिज्ञासा और जुनून को एक मंच दिया, जहां वे क्लाउड इंजीनियरिंग टीम का हिस्सा बने। वे आई-स्टेम के सह-संस्थापक भी हैं। अभिसार की कहानी सिर्फ शारीरिक सीमाओं को पार करने की नहीं है। यह विपत्ति को शक्ति में बदलने की कहानी है। उन्होंने शारीरिक और भावनात्मक दर्द का सामना किया, लेकिन वे और मजबूत होकर उभरे, यह साबित करते हुए कि किसी भी चुनौती को पार करना असंभव नहीं है। उनकी यात्रा आशा और प्रेरणा की किरण है, जो हमें बताती है कि हमारी पहचान कठिनाइयों से नहीं, बल्कि उनसे ऊपर उठने की हमारी ताकत से बनती है। हर ठोकर एक अवसर हो सकती है। चाहे कितनी भी चुनौतियां क्यों न आएं, हम सभी में विपत्ति को विजय में बदलने की क्षमता होती है।

शासन में निरंतरता का अद्वितीय प्रमाण है ब्रह्मोस : जयराम रमेश

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल शासन में निरंतरता का एक ऐसा अद्वितीय प्रमाण है, जिसे सत्ता प्रतिष्ठान द्वारा मिटाने की कोशिशों के बावजूद नकारा नहीं जा सकता। उन्होंने इस बात का उल्लेख भी किया कि ब्रह्मोस मिसाइल को 2005 में भारतीय नौसेना और 2007 में थलसेना में शामिल किया गया।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''ब्रह्मोस इन दिनों काफी चर्चा में है। इसका नाम भारत की ब्रह्मपुत्र नदी और रूस की मोस्कवा नदी के नामों को मिलाकर रखा गया है। यह भारत-रूस सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह शासन में निरंतरता का एक और अद्वितीय प्रमाण भी है-जिसे नकारा नहीं जा सकता, भले ही आज दिल्ली की सत्ता प्रतिष्ठान इसे मिटा देने की लगातार कोशिश करे।''

उनका कहना था कि भारत का एकीकृत प्रक्षेपास्त्र विकास कार्यक्रम 1983 में शुरू हुआ था, और इसने कई महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल कीं।

कांग्रेस महासचिव ने कहा, ''1990 के दशक के मध्य में, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम और उनके सहयोगियों जैसे डॉ. शिवथानु पिल्लई ने रूस के साथ सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों के लिए साझेदारी की आवश्यकता महसूस की। इसके परिणामस्वरूप 12 फरवरी 1998 को एक अंतर-सरकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जब इंदर कुमार गुजराल भारत के प्रधानमंत्री थे। गौरतलब है कि वह 1976-80 के बीच सोवियत संघ में भारत के राजदूत भी रह चुके थे।'' उन्होंने कहा कि इसके बाद पहला औपचारिक अनुबंध नौ जुलाई 1999 को हुआ और पहला सफल परीक्षण 12 जून 2001 को हुआ था।

अनुष्ठान

झारखंड के रांची में शिव मंदिर के बाहर सोमवार को 'वैशाख पूर्णिमा' उत्सव के हिस्से के रूप में मंडा पूजा महोत्सव के दौरान आदिवासी किसान लाठी लेकर वर्षा देवता को प्रसन्न करने के लिए अनुष्ठान करते हुए।

युद्ध कोई बॉलीवुड की फिल्म नहींः नरवणे

पुणे/भाषा। पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रोकने के फैसले पर उठ रहे सवालों की आलोचना करते हुए कहा कि ''युद्ध न तो रोमांटिक होता है और न ही यह बॉलीवुड की कोई फिल्म है।'' उन्होंने रविवार को पुणे में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यदि आदेश मिलेगा तो वह युद्ध के लिए तैयार रहेंगे, लेकिन उनकी पहली प्राथमिकता हमेशा कूटनीति रहेगी।

पूर्व सेना प्रमुख ने बताया कि यह एक उथल-पुथल भरा सप्ताह रहा है, जिसकी शुरुआत 'ऑपरेशन सिंदूर' से हुई। इसके अंतर्गत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों और बुनियादी ढांचे पर हमला किया जिसके बाद चार दिनों तक हवाई और कुछ जमीनी लड़ाइयां चलीं। उन्होंने कहा, अंत में सैन्य कार्रवाई रोके जाने की घोषणा की गई। मैं दोहराना चाहूंगा कि यह केवल सैन्य कार्रवाई की समाप्ति है, संघर्ष विराम नहीं है।

देखिए, आने वाले दिनों और हफ्तों में चीजें कैसे सामने आती हैं। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने सैन्य कार्यवाही के निलंबन के बारे में सवाल उठाए हैं और कहा है कि क्या यह अच्छी बात है। उन्होंने कहा, यदि आप तथ्यों और आंकड़ों पर विचार करें, खास कर युद्ध की लागत पर, तो आपको एहसास होगा कि एक बुद्धिमान व्यक्ति बहुत अधिक या अपूर्णीय नुकसान होने से पहले ही निर्णय ले लेता है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि हमने पाकिस्तान को यह साबित कर दिया है कि उनके आतंकवाद के रास्ते पर चलते रहने की कीमत बहुत अधिक होगी। इसी बात ने उन्हें बाध्य किया और अंततः उनके डीजीएमओ ने संघर्ष विराम की संभावना पर चर्चा करने के लिए हमें फोन किया।

संवेदना

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सीमा पार से हुई गोलाबारी की घटना में अपने सदस्यों को खोने वाले परिवारों से मुलाकात की और संवेदना व्यक्त की।

क्रिकेटर विराट कोहली अपनी पत्नी और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के साथ टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने के बाद मुंबई में एयरपोर्ट पर देखे गए।

मैडम तुसाद म्यूजियम में लगाई गई राम चरण की मोम की प्रतिमा

मुंबई/एजेन्सी

वैश्विक सुपरस्टार राम चरण की मोम की प्रतिमा लंदन के प्रतिष्ठित मैडम तुसाद म्यूज़ियम में लगायी गयी है। भारतीय सिनेमा के लिए एक ऐतिहासिक पल में, राम चरण को लंदन के प्रतिष्ठित मैडम तुसाद म्यूज़ियम में मोम की प्रतिमा के रूप में अमर किया गया है। यह सम्मान उन्हें अकेले नहीं, बल्कि उनके प्यारे पेट डॉग राइम के साथ मिला है। यह दुर्लभ उपलब्धि उन्हें महारानी क्वीन एलिज़ाबेथ द्वितीय के बाद ऐसे इकलौते सेलिब्रिटी के रूप में स्थापित करती है जिनकी प्रतिमा उनके पालतू के साथ लगाई गई है। यह अनावरण समारोह लंदन में एक निजी कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया गया, जिसमें राम चरण के परिवार और करीबी लोग शामिल हुए। राम चरण की मोम की प्रतिमा को उस काले वेलवेट बंधगला में सजाया गया है, जिसे उन्होंने 2023 के ऑस्कर समारोह में पहना था । वही ऐतिहासिक रात जब 'नाटू नाटू' ने बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग का ऑस्कर जीतकर भारतीय सिनेमा का सिर गर्व से ऊंचा किया था। यह प्रतिमा न केवल उनके वैश्विक सिनेमा में योगदान का प्रतीक है, बल्कि उनके और उनके पालतू के बीच अटूट रिश्ते का भी उत्सव है।

इस मौके पर सबसे भावुक क्षण तब आया जब राम चरण के पिता चिरंजीवी गरु भावुक हो गए। उन्होंने एक गर्वित पिता के रूप में इस उपलब्धि पर अपने विचार साझा किए।

उनके साथ राम चरण की मां सुरेखा भी मौजूद थीं। यह इंस्टॉलेशन न सिर्फ राम चरण के सितारे जैसी लोकप्रियता और विरासत का उत्सव है, बल्कि यह दर्शाता है कि हमारे पालतू जानवर हमारे जीवन में कितनी खास भूमिका निभाते हैं। फैंस और विज़िटर्स 19 मई तक इस प्रतिमा को लंदन में देख सकते हैं, जिसके बाद इसे मैडम तुसाद सिंगापुर में सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए ले जाया जाएगा।

वो सफल, मैं शुरुआती दौर में हूं...: पलक तिवारी

मुंबई/एजेन्सी

'किसी का भाई किसी की जान', 'द भूतनी' जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं अभिनेत्री पलक तिवारी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की। उन्होंने बातचीत के दौरान अपनी मां, टेलीविजन अभिनेत्री श्वेता तिवारी से तुलना किए जाने पर अपनी राय रखी। अभिनेत्री का मानना है कि उनसे तुलना करना सही नहीं है। पलक ने मां से तुलना किए जाने पर कहा कि उनकी मां का करियर शानदार और सफल रहा है, जबकि वह अभी शुरुआती दौर में हैं। ऐसे में तुलना करना गलत है। 'बिजली-बिजली गर्ल' के नाम से मशहूर पलक अपनी मां को रोल मॉडल मानती हैं। खुद को अपनी मां की तरह ही शालीनता और आत्मविश्वास के साथ दर्शकों के सामने पेश करना चाहती हैं। अभिनेत्री ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं इस पर चुप रहना ही बेहतर समझती हूं और मां पर ही छोड़ देती हूं। उन्होंने अपनी जिंदगी में जो कुछ भी हासिल किया है, उसके बाद उनकी तुलना आधी उम्र के किसी व्यक्ति से की जाए - यह सही नहीं है। मुझे नहीं लगता कि मैं उनकी तरह दिखती हूं, लेकिन मेरा सपना है कि एक दिन मैं भी उनके जैसी बनूं। अगर मैं दर्शकों से उनके जितना जुड़ पाती हूं, तो मैं खुद को सफल मानूंगी। मनोरंजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी जल्द ही गुड्डू धनोआ के निर्देशन में तैयार 'रोमियो एस 3' में नजर आएंगी। एक्शन-ड्रामा की शूटिंग के दौरान आने वाली चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'रोमियो एस 3' मेरे लिए एक बड़ा अवसर है। गुड्डू सर ने मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनने का जो अवसर दिया, वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। शूटिंग के दौरान मुझे यही लगता था कि मुझे अपना बेस्ट देना है। उन्होंने बड़े स्टार्स के साथ काम किया है और वह बेहतरीन निर्देशक हैं।

फिल्म 'किलर' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

उर्वेश पूर्वज प्रस्तुत एक्शन थ्रिलर फिल्म 'किलर' का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। फिल्म 'किलर' का निर्माण पूर्वज और प्रजय कामत ने थिंक सिनेमा और मर्ज एक्सआर के बैनर तले किया है। यह उनके दूसरे सहयोग का प्रतीक है।

फिल्म किलर के मोशन पोस्टर में एक शक्तिशाली महिला आकृति को बंदूक और शतरंज के मोहरों के साथ दिखाया गया है, जो यह दर्शाता है कि फिल्म में महिला नायक की भूमिका में है। इस फिल्म में अभिनेता पृथ्वी तिवारी और ज्योति पूर्वज पहली बार एक साथ फ़िल्मी पर्दे पर अभिनय करते नज़र आयेंगे। यह फिल्म जल्द हीं सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पृथ्वी तिवारी ने बताया कि एक्शन थ्रिलर फिल्म 'किलर' की कहानी दर्शकों को रोमांचित करेगी और उन्हें अपनी सीट से बांधे रखेगी। इस फिल्म में मेरे साथ प्रतिभाशाली अभिनेत्री ज्योति पूर्वज हैं। लेखक और निर्देशक ज्योति पूर्वज ने बताया कि मैंने टीम के साथ एक बेहतरीन सिनेमा बनाने की कोशिश की है जो सभी लोगो को पसंद आयेगी। मैंने इस फिल्म में निर्देशन के साथ-साथ अभिनय भी किया है।

फिल्म 'कुबेरा' से धनुष का लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार धनुष की आने वाली फिल्म कुबेरा से उनका लुक रिलीज किया गया है। कुबेरा के निर्माताओं ने इस फिल्म से धनुष का एक नया आकर्षक लुक पोस्टर रिलीज किया है, जो 'देवा' के रूप में उनकी शक्तिशाली झलक पेश करता है। निर्माताओं ने पोस्टर को इंस्टाग्राम पर साझा करते हुये कैप्शन में लिखा,एक उल्लेखनीय अभिनेता के 23 साल जिनकी कड़ी मेहनत, जुनून और समर्पण की यात्रा प्रेरणा देती है।

धनुषकेराजादेवाके रूप में शेखर कम्मुला कुबेरा में दिल जीतने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अधिक अपडेट जल्द ही लोड हो रहे हैं... देखते रहिए। 20 जून, 2025 को दुनिया भर में रिलीज़ हो रही है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित, कुबेरा धनुष के बीच उनका पहला सहयोग है। पोस्टर में धनुष को देवा के रूप में दिखाया गया है। यह देवा के रूप में उनकी भूमिका की एक झलक है, और प्रशंसक एक ऐसे किरदार की उम्मीद कर सकते हैं जो उन्होंने पहले कभी नहीं निभाया है। श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी और एमिगोस क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत, कुबेरा 20 जून, 2025 को दुनिया भर में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

विराट कोहली के संन्यास पर बोले सितारे, 'दिलों पर आपका राज कभी खत्म नहीं होगा'

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद अब दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने भी सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। उनके इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी। उनके इस फैसले के बाद सिर्फ आम क्रिकेट फैंस ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड सितारे भी दुखी हैं। विराट कोहली के संन्यास के ऐलान के बाद अभिनेता रणवीर सिंह ने कमेंट करते हुए उन्हें करोड़ों में एक बताया। साथ ही उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने लिखा, ''आप करोड़ों में एक, गो वेल किंग'' नेहा धूपिया ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर विराट की 'द किंग रिटायर' टैगलाइन के साथ एक तस्वीर पोस्ट की। साथ ही लिखा, 'एक राजा जिसका दिलों पर राज कभी खत्म नहीं होगा।' नेहा धूपिया के पति और एक्टर अंगद बेदी ने लिखा, ''यादें, आंसू, पसीने और आपने जो खून बहाया है, उसके लिए धन्यवाद। मैं 269 टेस्ट कैप को मैदान से जाते देखना चाहता था। टेस्ट क्रिकेट कभी भी वैसा नहीं रहेगा। यह लिखते समय मेरा गला रुंध रहा है, लेकिन आपने अपनी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए मानक बहुत ऊंचा कर दिया है। आपको व्यक्तिगत रूप से जानना और आपके करियर को इतने करीब से देखना अद्भुत रहा है। स्वस्थ रहिए, मेरे चीकू।''

वहीं, एक्ट्रेस साहिबा बाली ने अपने पोस्ट में दिल को छू लेने वाली लाइन लिखी, ''अब तो इंग्लैंड सीरीज को बैकयार्ड क्रिकेट मान के खेल लो।'' बता दें कि विराट ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की जानकारी अपने पोस्ट के जरिए दी। उन्होंने लिखा, 14 साल पहले मैंने पहली बार टेस्ट क्रिकेट में कैप पहनी थी। ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह प्रारूप मुझे ऐसी यात्रा पर ले जाएगा। इसने मुझे परखा, मुझे गढ़ा और ऐसी सीख दी जो मैं जीवनभर साथ रखूंगा। सफेद जर्सी में खेलने में कुछ खास है। ये एक शांत, लंबा और धैर्य से भरा सफर होता है। ये छोटे-छोटे पल जो कोई नहीं देखता, लेकिन जो हमेशा आपके साथ रहते हैं।

अब जब मैं इस फॉर्मेट से विदा ले रहा हूं, तो मन भारी है, लेकिन अंदर से सही लग रहा है। मैंने टेस्ट क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया और इसने मुझे उससे कहीं ज्यादा लौटाया। कोहली ने पोस्ट में आगे लिखा, मैं कृतज्ञता से भरा हुआ हूं। इस खेल के लिए, उन सभी साथियों के लिए जिनके साथ मैंने मैदान साझा किया, और हर उस व्यक्ति के लिए जिन्होंने मुझे इस सफर में सराहा। हमेशा अपने टेस्ट करियर को मुस्कान के साथ याद करूंगा।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

यहां टीपीएफ बेंगलूरु सेंट्रल द्वारा रविवार को गांधीनगर सभा भवन में मातृ दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत रिश्तों की डोर' का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत मंगलाचरण से हुई। संस्था के अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।

भारतीय फौजियों के रक्षा कवच के लिए नमस्कार महामंत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अणुव्रत समिति के अध्यक्ष देवराज रायसोनी के नेतृत्व में कार्य समिति की बैठक में पहलगाम पर आतंकी हमले में भारतीय सेना द्वारा जवाबी कार्यवाही में शहीद भारतीय वीरों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई।रायसोनी ने कहा कि देश की सीमाओं पर हमारे जवानों ने दुश्मनों की घिनौनी हरकतों का मुँहतोड़ जवाब दिया। आतंकी गतिविधियों की निंदा करते हुए भारत सरकार के तुरंत एवं जवाबी निर्णय की सराहना की। दुश्मनों के हमले से घायल एवं शहीद भारतीय नौजवानों के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त की।

समिति के पूर्व अध्यक्ष कन्हैयालाल चिप्पड़ ने कहा कि जल, वायु एवं नौसेना की वीरता से भारत सुरक्षित रहा है। भारत अहिंसावादी देश है लेकिन अगर उसकी छवि पर कोई उंगली भी उठाता है तो मुंह तोड़ जवाब देता है। समिति के सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी की महिला विंग की अध्यक्ष कविता जैन ने भारतीय सेना के जवानों की सुरक्षा हेतु आह्वान से संपूर्ण कार्यकारिणी टीम ने नमस्कार महामंत्र का उच्चारण किया। मंत्री हरकचंद ओस्तवाल ने अपरिहार्य परिस्थिति में कोई भी आपातकालीन व्यवस्था में सभी सदस्यों से सहयोग के लिए तैयार रहने का निवेदन किया।

इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष शांतिलाल पोरवाल, उपाध्यक्ष माणकचंद संचेती, शांति सकलेचा, सह मंत्री प्रवीण बोहरा, संगठन मंत्री निर्मल पोखरणा, कोषाध्यक्ष महेंद्र दक, महासभा से प्रकाश लोढ़ा सहित समिति की कार्यकारिणी टीम के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

साध्वीश्री के दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हिरियूर में सोमवार को अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा के सदस्यों ने बसवनगुड़ी में चातुर्मास हेतु पहुंच रहीं साध्वीश्री सूर्यप्रभा जी म. सा. की शिष्या साध्वी हर्षपूर्णा जी के दर्शन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इस अवसर पर श्री जिनकुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद के अध्यक्ष पंकज बाफना, विहार संयोजक नीलेश मेहता, गौतम कोठारी, गिरीश राखेचा उपस्थित थे। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने हिरियूर श्रीसंघ का आभार व्यक्त किया। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने देते हुए बताया कि साध्वीश्री से आगे के विहार एवं वैय्यावच पर विचार विमर्श किया और आगे का कार्यक्रम तय किया गया।

रेदासानी बॉक्स क्रिकेट कप के विजेता रहे दिनेश एसोसिएट वारियर्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्री ब्यावर संघ युवा शाखा बेंगलूरु द्वारा बीएसपीएल तीसरे सीजन के रेदासनी बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न हुई जिसमें दिनेश एसोसिएट वारियर्स ने उपविजेता मणिधारी स्टोन्स पर बहुत ही रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि 12 टीमों के एक सौ बीस खिलाड़ियों के बीच रविवार को बहुत ही रोमांचक मुकाबले हुए। खेल की शुरुआत में नितेश बोहरा, सुशील बाफना और मनन बोहरा ने मंगलाचरण किया। रेदासनी कप के मुख्य प्रायोजक चेतन रेदासनी के साथ ब्यावर संघ के चेयरमैन अरविन्द खिंवसरा, अध्यक्ष पदमचंद बोहरा, उपाध्यक्ष महेन्द्र भन्साली, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया, उपाध्यक्ष विकास खटोड़, महामंत्री कुलदीप छाजेड़, कोषाध्यक्ष नमित कोठारी, सहमंत्री नरेश बोहरा, सह कोषाध्यक्ष भरत कोठारी, महिला विंग के संयोजक चन्द्रकला डाकलिया, कंचन छाजेड़, मोनिका कुमट, सीमा बोहरा आदि ने दीप प्रज्वलन कर खेलों की शुरुआत की। महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने बताया कि भारतीय सीमा पर जोश और जज्बे के साथ सीमाओं की रक्षा करते हुए शहीद हुए अमर जवानों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा गया।

खेल समिति के यश रांका, अंजन मेहता और रोशन लोढ़ा ने बताया कि प्रथम सेमी फाइनल में दिनेश एसोसिएट वारियर्स ने मां क्रियेशन को हराकर और दूसरे सेमीफाइनल में मणिधारी स्टोन्स ने कोठारी एलजीसी चैलेंजर्स को हराकर फाइनल में जगह बनाई। इस प्रतियोगिता के मुख्य कप प्रायोजक संतोष देवी, चेतन कुमार,रश्मि रेदासानी और भोजन प्रायोजक भंवरलाल जयप्रकाश मकाना रहे। सभी खिलाडियों के लिए टी-शर्ट प्रायोजक सज्जनराज अमित कुमार शीतल कुमार कोठारी थे जिन्होंने सभी खिलाड़ियों को टीम शर्ट प्रदान किए।

इसके साथ ही कैप प्रायोजक गुमानमल पदम चंद बोहरा, किट प्रायोजक इंद्रादेवी सुरेंद्र कुमार गोलेच्छा, टॉस का बॉस सुनील कुमार शुभम कुमार छाजेड़, एनर्जी ड्रिंक प्रायोजक नोरत मल, धीरज नाहर और बुल्स आइ प्रायोजक राकेश रिंकू बाफना थे। इस टूर्नामेंट में कुल टीमें 12 टीमें जिसमें पंजाबी तड़का, रांका'स बॉलर ऑन स्ट्राइक, कुमट वारियर्स, तनिष्का'स तूफ़ान, मणिधारी स्टोन्स, कोठारी'स एलजीसी चैलेंजर्स, एक्यूरेट चैलेंजर्स, माँ क्रिएशन्स, दिनेश एसोसिएट्स वॉरियर्स, तातेड़-11, अपोलो-11, मयूर कम्प्यूटर मार्वल्स के बीच नंबर वन बनने की होड़ मची।

कार्यक्रम का संचालन श्वेता बोहरा और निष्ठा बोहरा ने किया। इस अवसर युवा शाखा के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के राजराजेश्वरीनगर मैदान में भारतीय धार्मिक एवं कार्मिक हितरक्षण वेदिके द्वारा राजराजेश्वरीनगर हब्बा-2025 का आयोजन किया गया। मुख्यअतिथि केरूप में विधायक मुनिरत्ना एवं विशिष्ट अतिथि महेन्द्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अन्नदान एवं अन्य सेवा कार्यों में भी भाग लिया। वेदिके के रघुपति नायडू एवं मंजुनाथ ने अतिथियों का सम्मान किया।

ज्ञानमुनि दीक्षा स्वर्ण जयंती पर ज्ञान आराधक पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आचार्य हस्ती के शिष्य श्रमणसंघीय संत, रोचक व्याख्यानी ज्ञानमुनि का संयम स्वर्ण जयंती समारोह रविवार को श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, श्रीरामपुरम के तत्वावधान में हुआ। इस अवसर पर तीर्थंकर महावीर ज्ञान ट्रस्ट, चेन्नई द्वारा श्री कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के पूर्व संयोजक गौतमचंद ओस्तवाल एवं संयोजक शांतिलाल बोहरा को धर्म-भूषण' उपाधि के साथ ज्ञान आराधक पुरस्कार (2025) प्रदान किया गया। अध्यक्ष एम. रिखबचंद बोहरा, मार्गदर्शक एचएल शांतिलाल सिंघवी, कोषाध्यक्ष आईके महावीर कोठारी, मंत्री डॉ. दिलीप धींग एवं श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, खैरताबाद (हैदराबाद) के अध्यक्ष नवरतनमल गुंदेचा, उपाध्यक्ष रणजीतमल गुंदेचा तथा पदाधिकारियों ने दोनों को शॉल, मुक्ताहार, साहित्य, रजत-प्रशस्ति और 51 हजार की सम्मान राशि के साथ सम्मानित किया।

डॉ. दिलीप धींग ने मोक्षद्वार' के संपादक ओस्तवाल का एवं सिद्धि जैन ने स्वाध्याय सुमन' के संपादक बोहरा का परिचय दिया। एम. रिखबचंद बोहरा ने ज्ञानमुनि के निर्विघ्न व निर्मल संयम यात्रा की कामना की। ज्ञानमुनि ने पुरस्कार के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने माता, पिता, गुरु तथा जीवन और संयम के सहयोगी अनेक उपकारियों को याद किया और कहा कि हर व्यक्ति को अपने उपकारियों के प्रति कृतज्ञ रहना चाहिए। कृतघ्नता यानी उपकार नहीं मानना बहुत बड़ा पाप है। लोकेशमुनि ने जानकारी दी कि जैन समाज में शासन स्थापना दिवस मनाने की शुरूआत करवाने का श्रेय डॉ. दिलीप धींग को ही जाता है। डॉ. धींग ने अपनी शोधपूर्ण दृष्टि और चिंतापरक लेखन से समाज को जगाया है।

इस अवसर पर तीर्थंकर महावीर ज्ञान ट्रस्ट एवं अनेक संघों ने ज्ञानमुनि को उनकी संयम स्वर्ण जयंती पर श्रद्धा की पछेवड़ी ओढ़ाई। चेन्नई के वडपलनी, सैदापेट, साहुकारपेट आदि क्षेत्रों के श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में पहुँचकर उन्हें वंदन किया। सैदापेट के महेन्द्र लुणावत ने पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए 51 परिंडे वितरित किए। कार्यक्रम में वडपलनी संघ के अध्यक्ष देवीचंद बरलोटा, श्रीरामपुर संघ के अध्यक्ष ताराचंद गुगलिया, उपाध्यक्ष किरणराज कोठारी, मंत्री अशोक कुमार गुगलिया, गौतमचंद खिंवेसरा, शांतिलाल खिंवेसरा, गौतमराज अबानी, डॉ. नरपत सोलंकी, गोपालराज अबानी, सुनिल पालगोता, गजेश अबानी सहित बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएँ उपस्थित थे। सिद्धार्थ बोहरा ने संचालन किया।

नूतन शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय का हुआ शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ ट्रस्ट मंडल के तत्वावधान में सोलस-2 भवन में श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ परमात्मा, श्री गौतम स्वामीजी, श्री नाकोड़ा भैरव देव जिनालय का शिलान्यास हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। इस अवसर पर आचार्यश्री अरिहंत सागरजी म. सा. ने निश्रा प्रदान की और मंगल मुहूर्त समय में शिला का विधि विधान करवाते हुए अपने प्रवचन में कहा कि जब बहुत पुण्यबल एकत्रित होता है तभी हमारे द्वारा पुण्यानुबंधी पुण्य से प्राप्त लक्ष्मी का सदुपयोग जिनालय निर्माण में होता है। जिस प्रकार कछुआ अपने ऊपर विघ्न आने पर अपने पूरे शरीर को संकुचित कर अपने ही कवच में कवर कर लेता है, ठीक उसी प्रकार जिनालय की नींव में बहुमूल्य धातुओं से बनी कछुए की प्रतिकृति मुख्य शिला पर रखने से जिनालय निर्माण में आने वाले विघ्न अपने आप टल जाते हैं।

ट्रस्ट के कार्यकारिणी सदस्य कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि छह माह के समय में मंदिर का काम पूरा करने की योजना है। ट्रस्ट के कार्यकारिणी सदस्य किशोर जैन ने बताया कि यह मन्दिर शंखेश्वर की तर्ज पर बिना लाइट वाला होगा। ट्रस्ट के कार्यकारिणी सदस्य महावीर मेहता ने सभी गणमान्यों का स्वागत एवं धन्यवाद प्रस्तुत किया।

ट्रस्ट के कार्यकारिणी सदस्य अशोक नागोरी ने बताया कि गोड़वाड़ जैन भवन और जेएटीएफ गर्ल्स हॉस्टल और जैन कॉलेज के विद्यार्थियों के द्वारा जिनपूजा, दर्शन में ज्यादा से ज्यादा उपयोग होगा। ट्रस्ट के कार्यकारिणी सदस्य राजू सुजानी ने कहा कि कोई पूर्व भव का पुण्य होने से ही मंदिर बनाने में लक्ष्मी का सदुपयोग होता है। स्नात्र पूजा, दशदिकपाल पूजन, नवग्रह, अष्टमंगल पूजन, और शिलान्यास का विधि विधान रोहित गरुजी ने करवाया। चेतन भाई सोमपुरा के द्वारा शिल्पकला युक्त मन्दिर का निर्माण किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान अन्नदान प्रसादी का आयोजन भी किया गया। समारोह में चिकपेट संघ के अध्यक्ष गौतम सोलंकी, तेजराज मालानी, शांतिलाल नागौरी, तेजराज गुलेच्छा, बाबूलाल मेहता, विमल गांग, महावीर जैन, भरत रांका, उत्तम गुलेच्छा, मनोहर भंडारी, कुमारपाल सिसोदिया के साथ अनेक सदस्य उपस्थित थे। यह जानकारी संघ के प्रवक्ता ललित डाकलिया ने दी।

बांग्लादेश ने आतंकवाद विरोधी कानून में आरोपी व्यक्ति या संगठन के किसी भी तरह के प्रचार पर रोक लगायी

ढाका/नई दिल्ली/भाषा। बांग्लादेश ने संशोधित आतंकवाद कानून के तहत आरोपी व्यक्तियों या संगठनों के बयानों के प्रकाशन/प्रसारण तथा किसी भी अन्य तरह के प्रचार पर प्रतिबंध लगा दिया है। एक दिन पहले ही बांग्लादेश ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग की गतिविधियों पर उसके नेताओं पर इसी कानून के तहत मुकदमा चलने तक रोक लगा दी थी। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने रविवार रात आतंकवाद निरोधक अधिनियम में संशोधन वाला एक अध्यादेश जारी किया।

मदर्स-डे पर 'रिश्तों की डोर' का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां टीपीएफ बेंगलूरु सेंट्रल द्वारा रविवार को गांधीनगर सभा भवन में मातृ दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत रिश्तों की डोर' का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत मंगलाचरण से हुई। संस्था के अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।

इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता लॉ ऑफ़ अट्रैक्शन एंड मनिफेस्टेशन कोच मीना जैन ने मदर्स-डे के अवसर पर मनिफेस्टिंग गोल्डन रिलेशनशिप पर एक पूर्ण अंतर्दृष्टि सत्र दिया। साथ ही उन्होंने प्रकटीकरण पर ध्यान भी सिखाया। संयुक्त सचिव प्रेशिता जैन ने वक्ता परिचय दिया। अपनी कला के रंगों से कलाकार रिया नाहटा ने सभी प्रतिभागियों को फ्लूइड आर्ट के ज़रिए जिस खूबसूरती से अभिव्यक्ति करना सिखाया, वह अनुभव अविस्मरणीय था। पूजा जैन ने कलाकार रियाजी का परिचय दिया।

कार्यक्रम में मारवाड़ी सांस्कृतिक खेलों का आयोजन हुआ। साथ ही गिटार की मधुर धुनों ने समारोह को एक संगीतमय और भावनात्मक स्पर्श प्रदान किया, जिससे माहौल और भी सुरम्य बन गया। सेल्फी बूथ की भी व्यवस्था की गई।

इस आयोजन में लगभग 35 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मदर्स-डे मनाने का आनंद लिया। सभी प्रतिभागियों ने भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों में भाग लेने की इच्छा प्रकट की।

इस अवसर पर टीपीएफ बेंगलूरु सेंट्रल के अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा, उपाध्यक्ष जीतेन्द्र आंचलिया, शाखा सचिव वर्षा जैन, संयुक्त सचिव प्रेशिता जैन, फेमिना विंग संयोजिका एवं संयुक्त कोषाध्यक्ष तृप्ति सुराणा नाबेड़ा, तथा अन्य पदाधिकारीगण एवं कार्यकारिणी समिति के सदस्य उपस्थित रहे। संचालन तृप्ति सुराणा नाबेड़ा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की संयोजक पूजा मालू थीं। कार्यक्रम के अंत में नवीन जैन धन्यवाद ज्ञापित किया।

सप्त दिवसीय स्पीकिंग कार्यशाला का हुआ आगाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद (तेयुप) राजाजीनगर द्वारा सात दिवसीय कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का शुभारंभ तेरापंथ भवन, राजाजीनगर में साध्वीश्री सोमयशा के सान्निध्य में हुआ।

तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने प्रशिक्षक पलक दक एवं सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। राष्ट्रीय सीपीएस सलाहकार सतीश पोरवाड़, सीपीएस राष्ट्रीय प्रभारी दिनेश मरोठी ने अपने विचार व्यक्त किए एवं किशोर मण्डल से आर्यन गोलेच्छा ने सीपीएस ट्रेनर पलक जैन का परिचय दिया।सीपीएस प्रशिक्षक पलक जैन ने कार्यशाला के प्रथम दिन सभी प्रतिभागियों का एक दूसरे का परिचय सत्र के माध्यम से कार्यशाला प्रारंभ करते हुए वक्तव्य कला की आवश्यकता बताते हुए एक अच्छे वक्ता के लिए उसके परिधान का महत्व, खड़े रहने का तरीका, बात करने की कला और लोगों को अपने वक्तव्य के प्रति आकर्षित करना और किस तरह से आत्मविश्वास के साथ मंच पर आकर बात करना और अपने अंदर छिपे भय को कैसे बाहर निकालना के बारे में विस्तार से समझाया। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने बहुत ही उत्साह के साथ भाग लिया।

इस अवसर पर परिषद से संजय मांडोत, सुनील मेहता, अजिंक्या चौधरी, ललित मुणोत, जितेंद्र कोठारी, सीपीएस ट्रेनर लता नवलखा, सीपीएस प्रोविजनल ट्रेनर वनिता बोल्या, प्रिया दक उपस्थित थे। मंच संचालन तेयुप के मंत्री जयंतीलाल गांधी ने किया।

अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टैक्ट बैनर का हुआ अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी के तत्वावधान में अणुव्रत समिति, बेंगलूरु द्वारा अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टैक्ट 2025-26 बैनर का अनावरण किया गया। विजयनगर होसहल्ली स्थित बसवेश्वर सुगनना मंटप प्रांगण में युवा दिवस के अवसर पर मुनिश्री पुलकित कुमारजी, साध्वीश्री पावनप्रभाजी, साध्वीश्री संयमलताजी, साध्वीश्री पुण्ययशाजी, साध्वीश्री सोमयशाजी आदि के सान्निध्य एवं अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी के तत्वावधान में अणुव्रत समिति, बेंगलूरु द्वारा इस अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टैक्ट (एसीसी) 2025-26 के बैनर का अनावरण किया गया। समिति के अध्यक्ष देवराज रायसोनी ने कहा, अणुव्रत समिति पूरे तन, मन एवं धन से अणु विभा द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित इस कलाकृति आयोजन का संपूर्ण सहयोग करेगी। गत वर्ष की भ्रांति इस वर्ष भी बेंगलूरु नगर से लाभार्थियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान लाने हेतु सभी स्कूलों से परामर्श कर बच्चों को प्रोत्साहन करेगी। अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं एसीसी के राष्ट्रीय संयोजक राजेश चावत ने कहा, अणुव्रत समिति की कार्यकुशलता को देखते हुए इस बार एसीसी कर्नाटक राज्य प्रभारी व सह प्रभारी बेंगलूरु समिति से ही चयन किया गया। अतः राज्य प्रभारी सह प्रभारी एवं बेंगलूरु समिति के संयोजक, सहसंयोजक साथ जुड़कर इस कांटेस्ट को ऐतिहासिक बनाने का संपूर्ण प्रयास करें। इस अवसर पर एसीसी कर्नाटक की राज्य प्रभारी शांति सकलेचा, अणुव्रत समिति के निवर्तमान अध्यक्ष शांतिलाल पोरवाल, उपाध्यक्ष माणकचंद संचेती, मंत्री हरकचंद ओस्तवाल, गांधीनगर सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, महासभा से प्रकाश लोढ़ा सहित समिति के अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विमोचन

बेंगलूरु के वीवीपुरम स्थित संभवनाथ जैन मंदिर में आचार्यश्री अरिहंतसागर सूरीश्वरजी म.सा.के सान्निध्य में आचार्यश्री युगभूषण सूरीश्वरजी म.सा. के मार्गदर्शन में सैकड़ों विद्वानों के 30 वर्षों से चल रहे अथक प्रयासों से निर्मित आर्ययुग विषय कोष खण्ड 2 एवं 3 का विमोचन किया गया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com